जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 17 मई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

इंटरनेशनल वेकेशन की क्या जरूरत
जब वर्ल्ड क्लास एमेनिटीज घर के साथ मिले

NO MIDDLE MEN

हर महीने 5 लाख रेट बढ़ रही है

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बना
भारत का एक मात्र
धनिया पाउडर

MRP ₹100
250 g

माइनस 100 डिग्री तक के तापमान पर डबल पैरट साबुत धनिया से तैयार, क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग द्वारा प्रोसेस किया गया, जो मसालों का अरोमा, नेचुरल ऑयल और असली फ्लेवर को पूरी तरह बरकरार रखता है।

ट्रिपल लेयर पैकिंग के साथ 1 साल की शेल्फ लाइफ

हमारे अन्य क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बने मसाले

लाकाडोंग हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर

BLENDED SPICES RANGE

किचन किंग मसाला • गरम मसाला • सब्ज़ी मसाला • शाही पनीर मसाला • दाल मखनी मसाला • राजमा मसाला • चना मसाला
पाव भाजी मसाला • सांभर मसाला • चाट मसाला • छाछ मसाला • रायता मसाला • जलजीरा मसाला • पोहा मसाला
चाय मसाला • अमचूर पाउडर • हिमालयन पिंक रॉक सॉल्ट

NEW LAUNCH : तूफानी हींग, कच्ची घानी सरसों तेल, फिल्टर्ड मूंगफली तेल

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T & C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

मनुष्य का कर्त्तव्य है कि वह उदार बनने से पहले त्यागी बने। –डिकेंस

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री-रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद-सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम-एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य-बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीडित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73-74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन-समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रातमें भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरदऋतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करनेका अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषकऔर संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों-मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय-का होना आवश्यक है।आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस-ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि-बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि-बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है।

सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है।

पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति-व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी-कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध-उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन,व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये।अधपका, दुर्गन्धयुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्नया रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक-युक्त, या बार बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक दूसरे के साथ नहीं चलते।दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल-ककड़ी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार-रस के साथ अंगूर-रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे किये गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज़्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

एक नई सामाजिक बुराई: लिव-इन रिलेशनशिप

प्रो. कैलाश सोडाणी

दो आत्माओं का आध्यात्मिक, सामाजिक और भावनात्मक मिलन है : विवाह। यह प्रेम, विश्वास, सम्मान और कर्तव्य के साथ जीवन भर साथ निभाने की प्रतिज्ञा है। यह बन्धन परिवार की नींव रखता है जिससे वंश एवं समाज आगे बढ़ता है। जीवनसाथी और बच्चों के प्रति निस्वार्थ सेवा की साधना है। धर्म और कर्म पर आधारित एक आध्यात्मिक यात्रा के लिए सुखद साझेदारी है। यह हिंदू जीवन का सबसे महत्वपूर्ण संस्कार है। गृहस्थ अवस्था विश्व के संतुलन को बनाए रखने में केन्द्रीय भूमिका निभाती है, क्योंकि यह अन्य सभी आश्रमों का आधार है। मनुस्मृति और वेदों जैसे प्राचीन ग्रंथो में विवाह को परिवार, धर्म और संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक आवश्यक संस्कार बताया गया है। केवल विवाह के माध्यम से ही व्यक्ति धार्मिक कर्तव्यों का पूर्णतया निर्वाह कर सकता है। मृत्यु के बाद भी यह पवित्र बन्धन बना रहता है, क्योंकि यह दैवीय आशीर्वाद का प्रतीक है।

दुर्भाग्य से भारत में भी पिछले कुछ समय से पाश्चात्य सोच रखने वाले लोग आधुनिकता के परिवेश में विवाह जैसे आध्यात्मिक एवं पवित्र बन्धन के स्थान पर लिव-इन रिलेशनशिप के माध्यम से ईश्वर प्रदत्त इस बहुमूल्य जीवन को अनावश्यक रूप से धूमिल कर रहे हैं। लिव-इन रिलेशनशिप एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें दो लोग (पुरुष और महिला) जिनका विवाह नहीं हुआ है, पति-पत्नी की भाँति साथ रहते हैं। यह संबंध प्रारंभ में स्नेहात्मक एवं गहरा होता है, इसलिए बिना वैवाहिक बंधन एवं सामाजिक सहमति के भी दोनों साथ रहने का साहस कर पाते हैं। शादीशुदा भी आपसी सहमति से लिव-इन में रह सकते हैं। भारत में लिव-इन-रिलेशनशिप के लिए अलग से कोई कानून नहीं बनाया गया है, लेकिन घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत इस संबंध को कानूनी मान्यता भी मिली है। 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे "शादी जैसा रिश्ता" मानकर कानूनी मान्यता दी। बालिग पुरुष एवं महिला का आपसी सहमति से साथ रहना अवैध एवं अपराध नहीं है। लिव-इन में रहने वाली महिला पत्नी की भाँति घरेलू हिंसा कानून के तहत सुरक्षा एवं घर में रहने का अधिकार रखती है और सम्बन्ध समाप्त होने पर भरण - पोषण की पात्रता भी रखती है।

ऐसे रिश्तों में रहने वाले लोगों को शादीशुदा जोड़े जैसे सारे अधिकार तो नहीं मिलते हैं लेकिन उन्हें हमारा कानून सुरक्षा जरूर प्रदान करता है। लिव-इन में रहते हुए यदि उनके बच्चे होते हैं तो उन बच्चों को सभी कानूनी अधिकार मिलेंगे। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 16 के अनुसार, ऐसे बच्चों को अपने माता-पिता की अपनी कमाई हुई संपत्ति में पूरा कानूनी हक मिलेगा। बच्चों को भरण पोषण का अधिकार तो है ही, साथ ही यदि माता-पिता अलग हो जाते हैं तो बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी दोनों की होगी। भारत में लिव-इन रिलेशनशिप के बच्चों के लिए कोई अलग से विशेष कानून नहीं है, इसलिए न्यायालय इन मामलों में शादीशुदा जोड़ों के बच्चों की तरह ही ट्रीट करती है। कोर्ट का सबसे पहला और जरूरी मकसद यह देखना होता है कि बच्चे का भला और भविष्य किसके साथ रहने में है।

कानूनी मान्यता के बावजूद लिव-इन कभी भी वैवाहिक जीवन का विकल्प नहीं बन सकता है क्योंकि लिव-इन रिलेशनशिप में प्रतिबद्धता की कमी, सामाजिक अस्वीकृति, कानूनी अनिश्चितता और भावनात्मक असुरक्षा जैसी कमियाँ है। यह रिश्ता शादी की तुलना में बहुत कमजोर होता है। इसमें पार्टनर के बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के अलग होने की संभावना हर समय बनी रहती है, जिससे मानसिक तनाव और शोषण का खतरा बना रहता है। भारतीय समाज इसे अनैतिक ही मानता है, जिससे परिवार एवं समाज से तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। ऐसे रिश्ते में यदि बच्चे होते हैं तो वे पारम्परिक पारिवारिक संरचना से वंचित रहते हैं। समाज भी ऐसे बच्चों को पूरा सम्मान नहीं देता है। पारिवारिक एवं सामाजिक स्नेह की कमी से बच्चों का आत्म-विश्वास टूटता है। लिव-इन से सांस्कृतिक मूल्यों से युक्त संस्कारों की पाठशाला परिवार टूट जाएंगे, बिखर जाएंगे। मित्रों विवाह का आधार त्याग एवं तपस्या है और लिव-इन रिलेशनशिप स्वार्थ एवं अधिकार पर आधारित सम्बन्ध है। यह हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से विचलन है। आवश्यक रूप से इस विचलन एवं फिसलन को रोकना होगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

लोक गायक कालूराम प्रजापति ने राजस्थान संस्कृति की सौंधी महक पूरी दुनिया में फैलाई

मिश्रीलाल पंवार

कालूराम प्रजापति को आज कौन नहीं जानता। वे देश के एक अत्यंत सम्मानित और वरिष्ठ लोक गायक हैं। इन्होंने राजस्थान संस्कृति की सौंधी महक पूरी दुनिया में फैलाई है। उनकी सुरीली आवाज़ और ठेठ राजस्थानी गायकी के लिए विश्व भर में पहचाना जाता है। उन्हें अक्सर वाणी का बेताज बादशाह भी कहा जाता है। साक्षात मां सरस्वती उनके कंठों में निवास करती हैं। कालूराम प्रजापति का जन्म 1941 में जोधपुर में हुआ था। वे रेडियो और आकाशवाणी के दौर के सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक रहे हैं। अपनी गायकी से उन्होंने लगभग चार पीढ़ियों का मनोरंजन किया है। इन्होंने ''कमल कला मंदिर'' नामक संस्था का 1981 में गठन किया था। इस संस्थान के बैनर तले उभरती कई नई प्रतिमाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया। उन्होंने जोधपुर के ही महाराज उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में सेवाएं दी।

वे केवल गायक ही नहीं, बल्कि एक कुशल गीतकार और संगीतकार भी हैं। वे अपने अधिकांश गीत स्वयं लिखते और कंपोज़ करते हैं। इन्होंने अपने लिखे गीतों की पहली पुस्तक "कमल की पंखुड़ियां" का प्रकाशन 1965 में कराया। यह पुस्तक इतनी लोकप्रिय हुई कि इसी साल में दूसरा व तीसरा संस्करण छपवाना पड़ा। इसके बाद भी गीत-भजन लिखने की इनकी साधना निरंतर जारी रही। लोगों की मांग पर 2002 में गीतों की दूसरी पुस्तक ''मारूजी लाखीणो का प्रकाशन कराया।

कालूराम प्रजापति ने अनगिनत लोकगीत और भजन गाए हैं, जिनमें से कई भजन आज भी प्रवासी राजस्थानियों के घरों में गूँजते हैं। उनके लिखे व गाए गीतो ने राजस्थान की सांस्कृतिक पृष्टभूमि के हर पहलू को छुआ हैं। उनका लिखा व गाया राजस्थानी गीत कुंवारो टाबरियो: (ब्यावं बिनणी बिलखूं म्हैं तो कद परणासी बाबलियों...) उनका सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय गीत है। इस गीत की लोकप्रियता देश की सीमाओं से पार विदेशों में धूम मचाती रही है। कालूराम प्रजापति कहते हैं कि जब तक संसार में लड़के कुंवारे रहेंगे, तब तक उनका यह गीत गूंजता रहेगा।

उन्हें राजस्थानी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2024 में कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान से नवाज़ा गया। उनकी कला के प्रति समर्पण के लिए मारवाड़ रत्न सम्मान से सुशोभित किया गया। इसी प्रकार उनको अब तक करीब तीन दर्जन से अधिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। आज भी 85 वर्ष की आयु में वे मंच पर सक्रिय हैं और अपनी ऊर्जावान प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। देश के सभी शहरों व नगरों में उनके कार्यक्रम हो चुके हैं। इनकी लोकप्रियता इतनी है कि ये जहां भी जाते, इन्हें देखने ,मिलने और सुनने लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ता है।

कानों में मिश्री घोलती अपनी सुरीली व मनमोहनी आवाज़ से जब वे लोक गीत गातें है तो जैसे धरती पर आनंद उतर आता हैं। इनको सुनने व देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियां तथा नेतागण इनके साथ फोटो खिंचवाने को लालयित रहते हैं।

रेडियो युग में लोक गायक श्री कालूराम प्रजापति को सुनते,सुनाते ही चार पीढ़ियां बड़ी हुई हैं। वे खुद लिखते हैं, वे खुद कम्पोज करते हैं, वे खुद गाते हैं। उनकी प्रतिभा अद्भुत हैं। वे ऐसे महापुरुष है कि उनके गाये अनगिनत गीत और भजन उनके जीवन काल में ही लोकगीत एवं लोक भजन बन गये।

लोक गायक कालूराम प्रजापति

उनके भजन "बोल तम्बूरा भाई रे, इण जग री रीत पराई रे", मत दीजो मावड़ली ने दोष करमा री रेखा न्यारी -न्यारी", "मत कर भोळी आत्मा नुगरा रो हेत रे " आदि उनकी गायन प्रतिभा का लोहा मनवा देते हैं। पिछले साठ बरसों से अब तक निरंतर लोकप्रियता के शिखर पर रहे है। इस लोक प्रसिद्धि का लेश मात्र भी घमंड उनमें नहीं झलकता। वे बेहद सरल, सहज और मिलनसार हैं। उनका सादगी भरा व्यक्तित्व सबको प्रभावित करता हैं। 85 बरस की इस उम्र में उनकी जीवटता देखते ही बनती हैं। वे राजस्थान के गौरव है।

राष्ट्रदूत संवाददाता से बातचीत करते उन्होंने कहा कि सन् 1965 में आकाशवाणी से मेरे गीतों का प्रसारण आरम्भ हुआ । मेरे गीतों को श्रोताओं ने खूब सराहा । फरमाइश कार्यक्रम में गीत बजते रहे। मैं आकाशवाणी का आभारी हूं जिसने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाया। सर्वप्रथम जयपुर से जीरो, बोल तम्बूरा भाई रे सांवरिया बिना कुणजी बधावै मनै धीर उसके कुछ तक गाता चला आ रहा हूं। सन 1970 से मेरे कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी जोधपुर से शुरू हो गया।

सन 1965 की लड़ाई में मेरे देश भक्ति के गीतो का प्रसारण होने लगा। यह क्रम चलता रहा उस समय रणभेरी और रणघोष नाम से गीत पुस्तक का प्रकाशन किया। सन् 1971 की लड़ाई में फिर गीत लिखे। सन् 1984 में निर्दलीय के रूप में जोधपुर से एम. पी. का चुनाव लड़ा मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत के सामने। चुनाव हारने के बाद में फिर किसी प्रकार की राजनीति में भाग नहीं लिया। मैं अपने लेखन कार्य में लग गया। श्री कालूराम प्रजापति राष्ट्रदूत को बहुत पसंद करते हैं। वे पिछले सत्तर वर्षों से राष्ट्रदूत के नियमित पाठक है।आज भी सुबह उठते ही पहले राष्ट्रदूत पढ़ते हैं। उसके बाद अपने सभी मित्रों को राष्ट्रदूत की पीडीएफ भी भेजते हैं।

–मिश्रीलाल पंवार,
लेखक जोधपुर के वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) जोधपुर के महासचिव हैं।

आत्मनिर्भरता का नया शंखनाद, संकट के समय में सामूहिक कर्तव्य का आह्वान

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

मई 2026 का यह समय वैश्विक इतिहास के पन्नों में एक चुनौतीपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जा रहा है। पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष ने न केवल भूगोल की सीमाओं को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें भी हिला दी हैं। तेल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला सप्लाई चेन का टूटना और मुद्रास्फीति का दबाव दुनिया के तमाम देशों पर मंडरा रहा है। ऐसे संक्रमण काल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई सात प्रमुख अपीलें केवल सरकारी निर्देश नहीं, बल्कि एक सजग राष्ट्र के निर्माण का ब्लूप्रिंट हैं। यह आव्हान भारत को आर्थिक झटकों से बचाने और आत्मनिर्भरता के संकल्प को धरातल पर उतारने का एक महायज्ञ है।

प्रधानमंत्री की अपीलों के केंद्र में भारत की विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना है। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, सोना और खाद्य तेल प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल के सीमित उपयोग और सार्वजनिक परिवहन व कारपूलिंग पर जोर दिया है। जब हम मेट्रो या बस का विकल्प चुनते हैं, तो हम केवल अपना पैसा नहीं बचाते, बल्कि देश के उस कीमती डॉलर को बचाते हैं जो कच्चे तेल के आयात में खर्च होता है। वर्क फ्रॉम होम का सुझाव इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो न केवल ईंधन की खपत घटाएगा बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे पर दबाव भी कम करेगा।

भारतीय समाज में सोने के प्रति गहरा लगाव है, लेकिन आर्थिक दृष्टि से यह डेड इन्वेस्टमेंट की श्रेणी में आता है। अनावश्यक सोना न खरीदने और गैर-जरूरी विदेशी यात्राओं को टालने की अपील सीधे तौर पर देश के बाहर जाने वाली पूंजी को रोकने का प्रयास है। यह समय देश दर्शन का है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिले और विदेशी मुद्रा की बचत हो।

संकट के इस समय में प्रधानमंत्री ने देश के अन्नदाताओं और रसोई के स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित किया है। रासायनिक उर्वरकों (केमिकल फर्टिलाइजर) पर निर्भरता कम करना और प्राकृतिक खेती को अपनाना मिट्टी की उर्वरता और देश की आर्थिक सेहत दोनों के लिए जरूरी है। फर्टिलाइजर सब्सिडी का एक बड़ा बोझ सरकार पर होता है; प्राकृतिक खेती इसे कम कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाएगी।

भारत खाद्य तेलों के लिए विदेशों पर निर्भर है। तेल का कम उपयोग न केवल आयात बिल को कम करेगा, बल्कि देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को घटाकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भी सहायक होगा।

प्रधानमंत्री की सातवीं अपील-स्वदेशी अपनाएं-इस पूरे अभियान की आत्मा है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में वही देश सुरक्षित हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक खपत और उत्पादन पर टिकी है। विदेशी ब्रांडों के बजाय स्थानीय उत्पादों को वरीयता देना छोटे उद्यिमयों, कारीगरों और लघु मध्यम उद्योग के लिए संजीवनी के समान है। जब एक भारतीय मेड इन इंडिया उत्पाद खरीदता है, तो वह सीधे तौर पर किसी भारतीय परिवार के घर में समृद्धि का दीपक जलाता है।

किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी सरकार की नीतियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सामूहिक इच्छाशक्ति में निहित होती है। 1965 के युद्ध के समय लाल बहादुर शास्त्री के एक आ ान पर देश ने एक वक्त का उपवास रखा था। आज, 2026 के इस आर्थिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री मोदी वैसी ही नागरिक सहभागिता की अपेक्षा कर रहे हैं।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
लेखक

राशिफल रविवार 17 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र दिन 2:32 तक, शोभन योग प्रातः 6:15 तक, किस्तुघ्न करण दिन 11:36 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मेष, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज से ज्येष्ठ अधिक (पुरूषोत्तम) मास आरम्भ होगा। आज से गंगादशाश्व मेघ स्नान आरम्भ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:22 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:23 तक, शुभ 2:03 से 3:44 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:04

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आज मनोरंजन के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर

परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 278 प्रभात अजमेर, रविवार 17 मई, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्या राहुल गांधी ने अपनी रीति-नीति बदली है?

क्या इस बदली शैली का असर अब कर्नाटक में भी दिखेगा?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। केरल के बाद कांग्रेस का फोकस अब कर्नाटक की ओर स्थानांतरित होने वाला है, जहाँ लंबे समय से नेतृत्व का मुद्दा सुलझाए जाने का इंतज़ार है।

इसे पिछले कई महीनों से टाला जा रहा है, कभी चुनाव के नाम पर, कभी कोई अन्य बहाना लेकर, जो भी नेतृत्व के दिमाग में आता है।

दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कथित रूप से मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में सामने आए हैं।

- पहले राहुल पार्टी में शांति बनाए रखने की इच्छा से शायद सबको सब तरह के वादे करते थे और इससे अन्ततोगत्वा कोई भी खुश नहीं रहता था व राहुल की छवि भी ढुलमुल नेता की होती जा रही थी।
- केरल में पहली बार, राहुल ने वेणुगोपाल के दबाव को नकारा तथा सतीशन को मु.मंत्री बनाया, जनता का उम्मीदवार मानते हुए।
- कर्नाटक में भी मु.मंत्री सिद्धारमैया का तथाकथित ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर डीके शिवकुमार को मु.मंत्री पद देने का वादा था, क्या वादा पूरा करेंगे, राहुल? यह मामला अभी तक टलता रहा है, कभी कई राज्यों के चुनाव (बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि) के बहाने से।
- पर, अब कर्नाटक का मसला टलने की स्थिति में नहीं है और अब लग रहा है, अपनी बात रखने के लिए राहुल वादा निभाएंगे?
- वर्तमान मु.मंत्री सिद्धारमैया की मंत्रिमंडल के विस्तार की इजाज़त की अर्ज़ी अस्वीकार कर डीके शिवकुमार को कमान सौंपेगे।

घटनाक्रम के इस बदलाव को दर्शाने वाले पोस्टर भी नज़र आने लगे हैं।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह परिदृश्य थोड़ा दूरगामी है।

सिद्धारमैया अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहते हैं। वे कैबिनेट फेरबदल की अनुमति चाहते हैं ताकि अपनी स्थिति मजबूत कर सकें और सत्ता में शीर्ष पर होने का आभास दे सकें।

डी.के. शिवकुमार से यह वादा किया गया था कि सिद्धारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

लेकिन वे अब भी प्रतीक्षा में हैं और आशा कर रहे हैं, पर नेतृत्व की ओर से कोई संदेश नहीं आया है।

सवाल यह उठता है कि राहुल ऐसे वादे और प्रतिबद्धताएं क्यों करते हैं, जिन्हें वे पूरा नहीं कर सकते? ऐसा लगता है कि यह उनके लिए आदत बन गया है।

कई राज्यों में कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई और सत्ता संघर्ष चल रहा है, जो कांग्रेस की पहचान बन गई है और अब कर्नाटक इस संघर्ष का नवीनतम मंच बनने जा रहा है।

'पंजाब में निगम चुनाव बैलेट पेपर से होंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। पंजाब में नगर निगम चुनावों की घोषणा के साथ ही, मतपत्र के उपयोग को लेकर तीव्र राजनीतिक बहस शुरू हो गई है।

चुनाव आयोग की पंजाब इकाई ने कहा है कि नगर निगम चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की बजाय, मतपत्र के माध्यम से होंगे, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तुरंत विरोध जताया।

पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने राज्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की और मांग की कि चुनाव ईवीएम के माध्यम से कराए जाएँ, जैसा कि पहले की प्रथाओं में होता रहा है।

- पंजाब के चुनाव आयोग के इस आदेश से राज्य में बहस छिड़ गई है। भाजपा ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया है।

भाजपा नेता का आरोप है कि आम आदमी पार्टी सरकार संभावित हार के डर से मतपत्र प्रणाली लागू कर रही है, ताकि मतगणना के दौरान वोटों में हेर-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जून के मध्य में भाजपा की केन्द्रीय सरकार व संगठन में भारी फेरबदल?

मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की 21 मई की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा होगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। कभी भी पैरों तले जमीन न छोड़ने वाले संगठन के रूप में विख्यात भाजपा पार्टी के नेतृत्व ने, पश्चिम बंगाल में अपनी शानदार जीत के तुरंत बाद, संगठन और सरकार दोनों के पुनर्गठन का कार्य शुरू कर दिया है।

केन्द्र सरकार में कैबिनेट का फेरबदल लंबित था, क्योंकि एनडीए सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल में 9 जून 2024 को शपथ लेने के बाद कैबिनेट का कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ था। इसी समय, नए भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी नई टीम की घोषणा करने वाले हैं। इस विषय पर प्रारंभिक चर्चा 21 मई को होने वाली केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में होने की संभावना है।

केन्द्रीय कैबिनेट में नए शामिल होने वाले चेहरों में उन राज्यों के प्रतिनिधि हो सकते हैं, जहाँ अगले विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और पंजाब। साथ ही, कुछ अनुभवी मंत्रियों को विशेष रुप से चुनावाधीन राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

अटकलें हैं कि केन्द्रीय कैबिनेट का विस्तार जून के दूसरे सप्ताह में होगा, मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे वर्ष की समाप्ति से पहले या तुरंत बाद। युवा और महिलाओं को केन्द्रीय कैबिनेट में जगह मिलने की संभावना है। भाजपा नेतृत्व पश्चिम बंगाल को पुरस्कृत करने की योजना बना रहा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मंत्रिमंडल में उन राज्यों के प्रतिनिधियों को स्थान मिलेगा, जहाँ 2027 में चुनाव होंगे, जैसे उत्तर प्रदेश व पंजाब।
- युवा नेता व महिलाओं को मंत्रिमंडल में नव नियुक्तियाँ मिल सकती हैं। साथ ही पार्टी तेलंगाना को भी महत्व देगी, क्योंकि तेलंगाना में अभी तक भाजपा को ज्यादा सफलता नहीं मिली है। उदाहरण के लिए केके अरूणा का नाम जोरों से चल रहा है महिला कोटा में, मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए।
- यह भी माना जा रहा है कि राघव चड्ढा को भी संगठन में भारी पद मिल सकता है, पंजाब में चुनाव की दृष्टि से।

'अगर आप अपना फोन नहीं देंगे तो वो बंदूक निकाल लेंगे'

प्रैस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकार पर गरम हुए रूस के विदेश मंत्री लावरोव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का मीडिया के साथ एक तनावपूर्ण पल वायरल हो गया, जब उन्होंने एक पत्रकार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान चेतावनी दी कि अगर व्यवधान जारी रहा तो सुरक्षा कर्मी "बंदूक निकाल सकते हैं।"

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एक पत्रकार, जो कथित तौर पर फोन पर बात कर रहा था, ने बार-बार व्यवधान डाला। इस लगातार व्यवधान के कारण लावरोव ने ब्रेक लिया और सुरक्षा अधिकारियों से हस्तक्षेप करने को कहा।

इस दौरान लावरोव ने कहा, "क्या आप हमें अकेला छोड़ सकते हैं? या तो आप खुद या आपका फोन। इसके बाद उन्होंने ब्रीफिंग फिर से शुरू की।

लेकिन कुछ ही क्षण बाद व्यवधान फिर हुआ, जिससे रूस के विदेश मंत्री ने कड़ा रुख अपनाया।

उन्होंने कहा, "क्या आप हमें छोड़ सकते हैं? मैं मज़ाक नहीं कर रहा। अगर आप अपना फोन नहीं देंगे, तो वे बंदूक निकाल लेंगे।"

- सर्गेई लावरोव की प्रैस ब्रीफिंग के दौरान एक पत्रकार तेज आवाज़ में फोन पर बात कर रहा था, लावरोव ने तीन बार उसे टोका, अंत में वे भड़क गए।
- रूसी भाषा में पत्रकारों से वार्ता कर रहे लावरोव ने तीन बार अंग्रेजी भाषा में उसे चेतवानी दी थी या आप चुप रहें या अपना फोन बंद करें। पर, थोड़ी देर बाद उक्त पत्रकार ने पुनः फोन पर बात की तो लावरोव भड़क गए और बोले, मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ, अगर आप फोन बंद नहीं करते है तो ये (सुरक्षाकर्मी) गन निकाल लेंगे।
- ज्ञातव्य है कि रूस के विदेश मंत्री नई दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए हैं।

लावरोव भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए थे और इस दौरान उन्होंने भारतीय नेताओं के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें भी कीं।

उन्होंने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ, चल रहे अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जिनमें यूक्रेन और पश्चिम एशिया की परिस्थितियाँ भी शामिल हैं, पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, लावरोव ने प्रधानमंत्री को भारत-रूस सहयोग में हुए विकास के बारे में अवगत कराया, जो दिसंबर 2025 में हुई 23वीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पाक तय करे, भूगोल का हिस्सा बनेगा या इतिहास का'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। इस्लामाबाद को कड़ी सैन्य चेतावनी देते हुए, सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को आश्रय देना, और भारत के खिलाफ गतिविधियाँ जारी रखता है, तो उसे यह "निर्णय लेना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का।"

- आर्मी चीफ उपेन्द्रनाथ द्विवेदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए, भारत विरोधी आतंकी गतिविधियाँ बंद करने को कहा।

दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' द्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में, जब उनसे पूछा गया कि अगर पिछले साल के ऑपरेशन सिंदूर की परिस्थितियाँ फिर से उत्पन्न होती हैं, तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पेपर लीक में पुणे की बॉटनी प्रोफेसर दिल्ली से गिरफ्तार हुई

उक्त प्रोफेसर मनीषा गुरुनाथ मंडहरे को एनटीए ने बतौर एक्सपर्ट नियुक्ति दी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आज बताया कि पुणे की वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) की एक महिला शिक्षक को दिल्ली में नीट-यूजी बायोलॉजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिससे गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या नौ हो गई है।

सीबीआई ने बताया कि पूछताछ किये जाने के बाद वनस्पति विज्ञान की शिक्षक, मनीषा गुरुनाथ मंडहरे, को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

सीबीआई ने बताया कि उन्होंने नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त होने के बाद, नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (अंडरग्रेजुएट) प्रक्रिया में काम किया था।

अप्रैल में, उन्होंने पुणे की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे, जो पहली ही गिरफ्तार हो चुकी हैं, के माध्यम से नीट उम्मीदवारों से संपर्क किया और अपने घर पर इन छात्रों को कोचिंग क्लास दी।

सीबीआई के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर बॉटनी और जूलॉजी के महत्वपूर्ण सवालों को छात्रों को बताकर उन्हें नोटबुक में लिखने और अपनी किताबों में मार्क करने को कहा। जांच एजेन्सी ने बताया कि उनमें से अधिकांश सवाल नीट-यूजी की वास्तविक परीक्षा (3 मई को हुई) से मेल खा रहे थे।

- सीबीआई मनीषा गुरुनाथ मंडहरे से पूछताछ कर रही है। पता चला है कि उसने अप्रैल में एक अन्य आरोपी पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए नीट अभ्यर्थियों से संपर्क किया था और उन्हें अपने घर पर कोचिंग दे रही थी।
- उसने अभ्यर्थियों को बॉटनी व ज़ूलॉजी के वे प्रश्न लीक किए जो 3 मई के पेपर में आए थे।
- सीबीआई ने गत 24 घंटे में देश भर में 6 जगहों पर रेड की, कई दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि जब्त किए। अब तक दिल्ली, जयपुर, गुडगाँव, नासिक, पुणे व अहिल्या नगर से 9 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर के छह स्थानों पर छापेमारी भी की और आपत्तिजनक दस्तावेज़, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए। जब्त की गई वस्तुओं का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है।

अब तक गिरफ्तार नौ आरोपी दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर के निवासी हैं। इनमें से पांच सात दिन के लिये पुलिस हिरासत में हैं; पुणे से गिरफ्तार दो आरोपियों को दिल्ली लाया जा रहा है। शेष से पूछताछ की जा रही है।

ज्यादा बच्चे पैदा करने पर ईनाम देंगे चन्द्रबाबू

आंध्र प्रदेश, 16 मई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आज राज्य में घटती जनसंख्या दर को रोकने के लिए बड़ा ऐलान किया। श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान नायडू ने कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवार को 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सरकार अगले एक महीने में इस योजना का विस्तृत खाका जारी करेगी।

- कभी जनसंख्या नियंत्रण के समर्थक रहे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश में घटती जन्मदर पर चिंता जताई और घोषणा की कि तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार और चौथे पर 40 हजार रु. दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा "स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र" कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी।

नायडू ने कहा, मैंने नया फैसला लिया है। तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। क्या यह सही फैसला नहीं है?

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू पहले जनसंख्या नियंत्रण के समर्थक माने जाते थे। लेकिन अब उन्होंने कहा कि समय बदल चुका है और समाज को जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अदालती आदेश की अवहेलना पर जयपुर कलैक्टर को अवमानना नोटिस

जयपुर, 16 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद अतिक्रमण से जुड़े मामले में अभ्यावेदन तय नहीं करने पर जयपुर कलेक्टर संदेश नायक को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश लक्ष्मण सिंह नरूका की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने फागी के गाँव में आम रास्ते पर अतिक्रमण के बारे में अभ्यावेदन लेकर 3 सप्ताह में विधि सम्मत कार्यवाही के लिए कहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने में जुटी बंगाल में

एक तरफ तो हाऊस ऑफ टाटा से पुनः बंगाल में लौटने की गंभीरता से बात चलाई जा रही है

अंजन रॉय ----
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। बंगाल में हाल ही में निर्वाचित भाजपा सरकार ने अपनी विश्वसनीयता साबित करने के लिए राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में तेज़ी से कई कदम उठाए हैं।

नये प्रशासन ने कड़े आदेश जारी किए हैं कि "कट मनी" की किसी भी मांग पर सख्ती से कार्यवाही की जाएगी, सड़कों पर कोई धार्मिक प्रार्थना नहीं होगी, तथा अन्य कई और नियमों के साथ -साथ, धार्मिक स्थलों में लाउडस्पीकर के उपयोग पर रोक लगनी चाहिए।

राज्य में टाटा घराने की फिर से एंट्री को लेकर व्यापक उम्मीदें हैं। पुनर्निर्माण को कुछ व्यवस्थित करने की कोशिश में अनधिकृत इमारतों की एक श्रृंखला को ध्वस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी के भतीजे पर कड़ा रुख अपनाया और अभिषेक बनर्जी की फर्मों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया।

ममता बनर्जी के भतीजे, अभिषेक बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र में जाकर, अधिकारी ने मतदाताओं से स्वतंत्र रूप से अपना मतदान करने की अपील की। चुनाव आयोग ने फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र में 21 मई को पुन: मतदान घोषित किया है।

अधिकारी ने फाल्टा के लोगों से क्षेत्र के लिए कई नई योजनाओं का वादा किया। उल्लेखनीय है कि लेफ्ट सरकार ने फाल्टा में बंगाल का पहला फ्री ट्रेड ज़ोन स्थापित किया था। लेकिन, अब यह एफ.ई. ज़ैड़ बुरी तरह से बीमारु हालत में है और ज्यादातर बंद हो चुका है। तृणमूल कांग्रेस ने इस निर्वाचन क्षेत्र पर सबसे अधिक दखल दिया था।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने फाल्टा क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया, क्योंकि ई.वी.एम. में छेड़छाड़ हुई थी। अधिकांश बूथों में भाजपा का बटन टेप से चिपका हुआ पाया गया।

अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सात लाख वोट के अंतर से जीत का देश भर में रिकॉर्ड बनाया था। मुख्यमंत्री अधिकारी ने बनर्जी के करीबी सहयोगी जहाँगीर खान को चेतावनी दी थी कि किसी भी अवैध कार्रवाई से सख्ती से निपटाया जाएगा।

- दूसरी और मु.मंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए, आर.जी. कर हॉस्पिटल एवं मैडिकल कॉलेज में एक युवा डॉक्टर के साथ बलात्कार व हत्या के मामले में पूर्ण निष्ठा से काम नहीं करने के आरोप में।
- तथा मु.मंत्री ने ये आदेश भी दिए कि सड़कों पर नमाज़ पढ़ने की प्रवृति तथा लाउड स्पीकर के धार्मिक स्थानों पर उपयोग को प्रतिबंधित करने के प्रयास होंगे।
- साथ ही ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के चुनाव क्षेत्र, डायमंड हार्बर में उनके सबसे नज़दीकी व शाबाशी प्राप्त समर्थक जहाँगीर खान को भी सार्वजनिक चेतावनी देकर निष्क्रिय करना इस बात को स्थापित करने का प्रयास है कि सरकार बदल गई है।

खान ने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के लिए बाहर जाने पर गंभीर परिणामों की धमकी दी थी। खान और उनके गुंडों ने लोगों के घरों में प्रवेश कर उन्हें धमकाया; कई लोगों को बलात्कार और हत्या की धमकी दी गई थी।

एक बहुत महत्वपूर्ण कदम के रूप में, विवादास्पद आर.जी. कर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार और हत्या मामले में तीन आई.पी.एस.अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया गया। नए मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने आज कोलकाता में सस्पैंशन का आदेश दिया और इसकी घोषणा की।

ज्ञातव्य है कि एक युवा महिला डॉक्टर को राज्य के आर.जी. कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एम्स दिल्ली और जोधपुर की टीम कोटा के जेके लोन और नए अस्पताल पहुंची

कोटा में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामलों के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाई लेवल जांच कमेटी गठित की है

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में जांच जारी है। पूरे घटनाक्रम के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बात की थी। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के निर्देश पर एक हाई लेवल कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी में एम्स दिल्ली और जोधपुर के डॉक्टर शामिल हैं। यह पूरी टीम शनिवार कोटा पहुंची और अस्पताल का जायजा लिया। इसकी अध्यक्षता एम्स दिल्ली की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. रीता माहे कर रही हैं।

कमेटी में पीएसएम, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, गाइनेकोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजी, एनेस्थीसिया व पीडियाट्रिक्स के चिकित्सक शामिल हैं। कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में घंटों तक निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया गया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड देखा गया। नर्सिंग केयर की जानकारी ली गई। ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम की व्यवस्थाओं को समझा गया। कमेटी ने मरीजों की एंट्री से लेकर एग्जिट तक के पूरे प्रोसेस और उपचार में लगे समय की जानकारी ली। टीम ने उपचार में लगे डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों को बुलाकर पूछताछ भी की।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा के अनुसार कमेटी प्रसूताओं की मौत और गंभीर बीमार होने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। नर्सिंग रिकॉर्ड को बारीकी से देखा गया। सभी मेडिकल इन्वेस्टिगेशन और मरीजों को हैंडल करने की प्रक्रिया की जानकारी ली गई। इसके अलावा ठीक हुए केसों के बारे में भी पूछताछ की गई। इस कमेटी में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के डॉ. रंजन सिंह, पीडियाट्रिक्स के डॉ. अंकित वर्मा, एनेस्थीसिया के डॉ. दालिम सिंह, माइक्रोबायोलॉजी के डॉ. गगनदीप सिंह और एम्स जोधपुर की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनीषा झीरवाल शामिल हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में हाई लेवल कमेटी ने जांच की।

- **कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड भी देखा**

झुंझुनूं में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

सुसाइड करने से दो मिनट पहले व्हाट्सऐप स्टेटस पर तीन पेज का नोट डाला

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के न्यू हाउसिंग बोर्ड के पास एक घटना में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वाहिदपुरा हाल रीको निवासी विमल उर्फ विमलेश शर्मा के रूप में हुई है। वह सीकर में नौकरी करता था और रोजाना ट्रेन से अपडाउन करता था। शनिवार को भी सीकर जाने वाली ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी, जिसमें बैठकर उसे काम पर जाना था, लेकिन वह उसमें नहीं बैठा और दूसरी ओर से आ रही सीकर-रेवाड़ी ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से तीन पेज का सुसाइड नोट मिला।

बताया जा रहा है कि आत्महत्या से महज दो मिनट पहले उसने यही सुसाइड नोट अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर भी लगाया था। सुसाइड नोट में उसने कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर यह कदम उठाने की बात लिखी है। सुसाइड नोट में मृतक ने चूरू निवासी मुकेश चौहान, स्वाति चौहान, उज्जवल लोहिया और योगेश भाटी सहित अन्य लोगों पर उसके भाई से शेयर में निवेश के नाम पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। उसने लिखा कि जब मुनाफा मांगा गया तो आरोपियों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए उसने अनिल सुंडा और विकास वर्मा से ब्याज पर रुपए लिए। लेकिन मूल रकम से ज्यादा ब्याज चुकाने के बावजूद कर्ज खत्म नहीं हुआ। उसने लिखा कि घर, जमीन और गहने तक बिक चुके हैं और वह पूरी तरह टूट चुका है। नोट में मृतक ने लिखा अगर पुलिस सही तरीके से जांच करती और मुझे न्याय मिलता, तो शायद मुझे यह कदम नहीं उठाना पड़ता। उसने यह भी लिखा कि वह अपने परिवार और बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पाया। सुसाइड नोट में सुरेंद्र और उसके दोस्त विजेंद्र का भी जिक्र करते हुए लिखा कि किसी की गरीबी और मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहिए। नोट के अंत में उसने लिखा।

बताया जा रहा है कि आशु उसकी छोटी बेटी और बाबू उसका बड़ा बेटा है। घटना के बाद परिजनों ने पहले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक शव लेने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में समझाइश के बाद वे मान गए। मृतक के भाई बाबूलाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया था। लेकिन कोतवाली पुलिस ने एफआर लगा दी। बाद में फाइल दोबारा खुलवाकर जांच शुरू करवाई गई तो सदर पुलिस ने भी एफआर लगा दी। उन्होंने बताया कि करीब एक महीने पहले यह फाइल आईजी जयपुर रेंज ने अपने पास मंगवा ली थी।

- **सुसाइड नोट में कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर कदम उठाने की बात लिखी**

गंभीर नदी में डूबे युवक का शव मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। जट नगला स्थित गंभीर नदी में शुक्रवार रात एक युवक का शव मिला। सूरौठ थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमॉर्टम कराया है। मृतक की पहचान जट नगला निवासी 23 वर्षीय अनूप जाटव पुत्र रामलाल के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8 बजे युवक का शव नदी में मिला। सूचना मिलने पर सूरौठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करौली से सिविल डिफेंस टीम के इंचार्ज प्रदीप कुमार भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू कर शव को नदी से बाहर निकाला। शव को जिला अस्पताल ले जाया गया और मोर्चरी में रखवाया गया। परिजनों ने बताया कि अनूप शाम को घर से निकला था और बाद में नदी में डूबने से उसकी मौत की सूचना मिली। मामले में परिजनों ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मृग दर्ज किया है। मृतक अनूप विवाहित था, घटना के समय उसकी पत्नी पीहर में थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। वह मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था।

डूंगरपुर में डंपर की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक घायल

डूंगरपुर-आसपुर रोड पर हुआ हादसा, डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर-आसपुर रोड पर तिजवड स्कूल के पास शुक्रवार देर शाम तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में एक युवक गुजरात से गांव में शादी समारोह में शामिल होने के लिए दो दिन पहले ही लौटा था। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने डंपर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना एएसआई ने बताया कि सत्तू देवकी निवासी सुन्तिलाल पारगी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार उसका बेटा राहुल पारगी गुजरात में कारीगरी का काम करता था। गांव में शादी समारोह होने के कारण वह दो दिन पहले ही अपने घर लौटा था। राहुल बाइक लेकर डूंगरपुर गया था। उसके साथ हेमेंद्र कलासुआ पुत्र दिनेश कलासुआ निवासी ऊपर गांव और विशाल परमार पुत्र हरीश परमार निवासी सिदडी, खेरवाड़ा भी मौजूद थे। देर शाम तीनों युवक बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तिजवड स्कूल के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तीनों के सिरए हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद राहुल और हेमेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल विशाल का अस्पताल में इलाज जारी है।

राहुल के घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और परिवार खुशियों में डूबा हुआ था, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मृतक के पिता की रिपोर्ट पर डंपर ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली झुंझुनूं ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 11 वर्ष पुराने प्रकरण में वांछित स्थाई वारंटी मुखराम उर्फ मुखिया को पुलिस ने आसूचना के आधार पर दबिश देकर कस्बा झुंझुनूं से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृत्ताधिकारी शहर गोपाल सिंह ढाका के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार एसीजेएम न्यायालय झुंझुनूं के प्रकरण के तहत आरोपी मुखराम उर्फ मुखिया पुत्र रतिराम निवासी मोहल्ला खटीकान, वार्ड नंबर 17, झुंझुनूं लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई टीम में श्रवण कुमार, थाना अधिकारी कोतवाली झुंझुनूं, सुभाषचन्द्र, रमेश, पवन, अंकित शामिल रहे।

अजमेर के नागोला स्कूल में भीषण गर्मी से 12 बच्चे बीमार

अजमेर, (निसं)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच भिनाय क्षेत्र के नागोला गांव स्थित एक विद्यालय में 12 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्यालय प्रशासन ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सभी बच्चों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया।

चिकित्सकों के अनुसार तेज गर्मी और लू के कारण बच्चों के शरीर में पानी की कमी हो गई थी, जिससे उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई। अस्पताल में बच्चों को आवश्यक उपचार और ग्लूकोज चढ़ाया गया। उपचार के बाद सभी बच्चों की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। स्वास्थ्य सामान्य होने पर चिकित्सकों ने सभी बच्चों को छुट्टी दे दी। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि सभी बच्चे अब पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं।

- **पानी की कमी से बच्चों तबीयत बिगड़ी, उपचार के बाद सभी स्वस्थ**
- **बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, सभी को अस्पताल पहुंचाया**

डूंगरपुर में दामाद ने पत्नी, सास और ससुर पर हमला किया, तीनों घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव में एक घरेलू विवाद के चलते दामाद ने अपने ससुर, सास और पत्नी पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमझरा निवासी शंकर ने बताया कि उनकी पुत्री सुकना का विवाह देवल निवासी ललित मनात के साथ हुआ था। पति ललित ने अपनी पत्नी सुकना के साथ मारपीट की थी। मारपीट की सूचना मिलने पर सुकना के पिता शंकर और माता अमरी अपनी बेटी को लेने आंमझरा गांव से देवल पहुंचे। माता-पिता पहले देवल चौकी गए और वहां से अपनी पुत्री सुकना को साथ लेकर इको वाहन से वापस अपने गांव आंमझरा जाने के लिए रवाना हुए। जैसे ही परिवार बेटी को लेकर देवल चौकी के पास पहुंचे, घात लगाकर बैठे दामाद ललित मनात ने उनका रास्ता रोक लिया। ललित ने गुस्से में आकर अपने ससुर शंकर, सास अमरी और पत्नी सुकना पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में तीनों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे घायल होकर वहीं गिर पड़े। तीनों को गंभीर अवस्था में एक निजी वाहन की मदद से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 57 लाख रुपये ठगे

अजमेर, (कासं)। अजमेर सायबर थाना पुलिस ने रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने सायबर ठगों को इस्तेमाल के लिए फर्म के नाम पर करंट अकाउंट उपलब्ध करवाए थे। पुलिस जांच में इन खातों में करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए के ट्रांजैक्शन सामने आए हैं।

सायबर थाने के सीओ शमशेर खां ने बताया कि वेटरनरी विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी जगदीश कुमार को सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी का भय दिखाया था। आरोपियों ने उन्हें 13 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर रखा और इसी दौरान करीब 57 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित अधिकारी ने जनवरी 2026 में सायबर थाने में मामला दर्ज करवाया था।

शिकायत के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल हुए बैंक खातों की डिटेल खंगाली और रकम के ट्रांजैक्शन का विश्लेषण किया। जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने सायबर ठगों को उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फर्म के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाए थे। इन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर होती थी और बदले में दोनों आरोपियों को करीब 2 प्रतिशत कमीशन दिया जाता था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि रिटायर्ड अधिकारी से ठगे गए करीब 10 लाख रुपए आरोपियों द्वारा उपलब्ध करवाए गए खातों में ट्रांसफर हुए थे। खातों में कुल 1.82 करोड़ रुपए से अधिक के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं। फिलहाल सायबर थाना पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

- **सायबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, खातों में 1.82 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला**
- **सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीड़ित को गिरफ्तारी का भय दिखाया था**
- **जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया, दोनों दोस्त बताए जा रहे हैं**

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचला, एक की मौत

हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, पुलिस और एंबुलेंस ने अस्पताल पहुंचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के हरिपुरा चौराहे के पास शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि चारों युवक लहूलुहान होकर दूर जा गिरे और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और 108 एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार देर रात हरिपुरा चौराहे के समीप चार युवक सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान एक अज्ञात कार अत्यधिक तेज गति से आई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक उस पर से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे युवकों को अपनी चपेट में लेते हुए निकल गई। धमाके की आवाज और युवकों की चीखें सुनकर आसपास के होटल व ढाबों से लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़े। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 आपातकालीन सेवा मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलट प्रभु प्रजापत, केनपाल गुर्जर तथा मेल नर्स दीपक दाधिच एवं कमलेशी देवी गुर्जर ने तत्परता दिखाते हुए तत्कालों घायलों को संभाला और बिना समय गंवाए उन्हें उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। हादसे में घायल सलमान फकीर (23), संजय (20) और टीपू (22) को प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल मोनु पोल को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

- **हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया**

भीलवाड़ा : चार राज्यों में आतंक मचाने वाला शातिर नकबजन जिम्मी गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का महज़ कुछ ही दिनों में पर्दाफाश करते हुए देश के चार राज्यों में सक्रिय अंतर्राज्यीय शातिर नकबजन जिम्मी उर्फ दीपक शर्मा को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि गत गत 11 जनवरी को प्रार्थी अनिल कुमार जाट, निवासी बंशी विहार कॉलोनी, बापूनगर रायला ने थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 11 जनवरी को शाम पांच से सवा छह बजे के बीच जब परिवार बाहर था, तब अज्ञात बदमाशों ने उनके सूने मकान का ताला तोड़कर तिजोरी में रखे 67 हजार रुपये नकद, सोने का मांग टीका, सोने की दो अंगूठियां, तीन जोड़ी चांदी की पायलें और चांदी के कड़े सहित अन्य जेवरात चोरी कर लिए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। चोरी की गंभीर वारदात को देखते हुए वृताधिकारी गुलाबपुरा जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में रायला थानाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच के दौरान सामने आया कि डूंगरपुर की कोतवाली पुलिस ने हाल ही में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो जिला कारागृह डूंगरपुर में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। इस पर रायला पुलिस टीम डूंगरपुर पहुंची और आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की, जिसमें आरोपी ने रायला में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी की कार्यप्रणाली को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि आरोपी जिम्मी उर्फ दीपक बेहद शातिर किस्म का बदमाश है। वह दिल्ली से मुंबई और मुंबई से दिल्ली तक का सफर मोटरसाइकिल से तय करता है। इस दौरान हाईवे और रास्ते में आने वाले शहरों व गांवों में वह सूने और बंद मकानों की रेकी करता है। मौका पाकर वह कटर या अन्य औजारों से ताला तोड़कर घर में प्रवेश करता और कीमती आभूषण व नकदी पार कर देता। चोरी के माल को बेचकर वह अपने महंगे शौक, नशे पर खर्च करता था। पकड़े गए अभियुक्त जिम्मी उर्फ दीपक (32) पिता बिपिन शर्मा, निवासी नंदुरबार महाराष्ट्र, हाल सूरत गुजरात के खिलाफ अपराध का लंबा रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ महाराष्ट्र के नंदुरबार, शहादा, धुले और नासिक में 31 मामले, हरियाणा के रेवाड़ी और झज्जर जिलों में 12 मामले, गुजरात के नवसारी, सूरत, तापी, भरूच और अंकलेश्वर में 13 मामले, राजस्थान के उदयपुर प्रतापनगर, डूंगरपुर और भीलवाड़ा के रायला में 4 मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जिससे राज्य और अन्य जिलों में हुई कई और वारदातों के खुलने की संभावना है।

- **रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया**
- **पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है**

जोधपुर में पति ने पत्नी को जलाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के अंदर सिवांची गेट स्थित मूलियों की चौकी में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार की सुबह घर में पत्नी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। उसकी पत्नी 40 फीसदी तक झुलस गई। बाद में उसे एमजीएच बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने पर्चा बयान पर अग्रिम कार्रवाई आरंभ की है। आरोपी पति घटना के बाद से फरार है। मामला खांडाफलसा थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी एएसआई मनोहर लाल ने बताया कि सिवांची गेट मूलियों की चौकी में रहने वाले मोहिनुद्दीन का शुक्रवार की सुबह आठ बजे अपनी पत्नी 24 वर्षीय फिरोदा के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पारिवारिक विवाद ने बाद में उग्र रूप ले लिया। इस पर मोहिनुद्दीन ने अपनी पत्नी फिरोदा पर घर में रखे किसी ज्वलनशील पदार्थ उस पर डाल दिया और आग लगा दी। इससे वह आग से झुलस गई।

एसआई भर्ती परीक्षा 2021 के आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर अभ्यर्थियों के लिए आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग की ओर से परीक्षा का पुन: आयोजन आगामी 20 सितंबर से प्रदेशभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को आवेदन में आवश्यक संशोधन करने का अवसर देते हुए 16 मई से 30 मई तक ऑनलाइन संशोधन विंडो खोली गई है।

आयोग के अनुसार अभ्यर्थी इस अवधि में अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी तथा पत्राचार पते सहित अन्य जानकारियों में सुधार कर सकेंगे। जिन अभ्यर्थियों ने अपनी एसएसओ आईडी बदल ली है, वे 'फेच एप्लीकेशन फॉर्म' विकल्प के माध्यम से पुराने आवेदन का डाटा नई प्रोफाइल में स्थानांतरित कर सकेंगे। इससे पूर्व आवेदन संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रूप से नए प्रोफाइल से जुड़ जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपडेट करना आवश्यक होगा। आयोग ने बताया कि केवल वही 3 लाख 83 हजार 97 अभ्यर्थी पुन: परीक्षा में शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में उपस्थिति दर्ज करवाई थी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की शुचिता भंग करने के मामले दर्ज हैं, उन्हें आवेदन अपडेट प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- **पेपर लीक आरोपियों को आवेदन अपडेट की अनुमति नहीं**

एक्टिंग सीजे ने छोड़ी एस्कॉर्ट, जस्टिस जैन आए साइकिल से हाईकोर्ट

जयपुर। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से ऊर्जा संरक्षण को लेकर देशवासियों से किए गए आव्हान का असर अब न्यायपालिका में भी दिखाई देने लगा है। बीते दिनों कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने अपने एस्कॉर्ट वाहन को छोड दिया। अब जस्टिस समीर जैन लंबी दूरी तय कर साइकिल के जरिए हाईकोर्ट पहुंचे।जस्टिस समीर जैन ने अपने सरकारी लग्जरी वाहन का उपयोग छोडकर साइकिल से हाईकोर्ट पहुंचकर ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ फिटनेस का संदेश भी दिया। गांधीनगर स्थित अपने सरकारी निवास से साइकिल के जरिए हाईकोर्ट पहुंचने के दौरान शूट किए वीडियो में उनके साथ कोई सुरक्षाकर्मी भी नजर नहीं आ रहा है। दूसरी ओर निचली अदालतों के कई पीठासीन अधिकारी भी कारपूलिंग कर अदालत पहुंच रहे हैं। सरकारी आवास से बनीपार्क स्थित सेशन कोर्ट की दूरी काफी अधिक होने के कारण न्यायिक अधिकारियों ने साइकिल के बजाए कारपूलिंग चुना है। इसके जरिए न्यायिक अधिकारी एक कार में सवार होकर अदालत पहुंच रहे हैं। सरकारी अफसरों और जजों के इस तरह के प्रयासों से न केवल ऊर्जा संरक्षण किया जा रहा है, बल्कि सडक़ों पर वाहनों के भार में भी कमी आई है। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों ऊर्जा संरक्षण के लिए देशवासियों का आ ान करते हुए ईंधन और खाद्य तेल का कम से कम उपयोग करने की बात कही थी। इसके बाद उन्होंने अपने बेड़े में वाहनों की संख्या भी काफी कम कर दी। वहीं प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने साथ चलने वाले वाहनों की संख्या को काफी कम कर दिया। बीते शुक्रवार को एक कार्यक्रम में तो वे ईवी के जरिए पहुंचे। दूसरी ओर प्रदेश के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा सरकारी वाहन छोडक़र रोडवेज की बस से फागी पहुंचे थे।

देरी से भुगतान पर बीमा कंपनियों पर लगेगी 12 प्रतिशत की पेनल्टी

वर्ष 2018 से 2022 तक के 33.15 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम अभी तक लंबित : कृषि मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देरी से क्लेम भुगतान पर फसल बीमा इंश्योरेंस कंपनियों को सख्त नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर निगरानी रख रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक पात्र किसान को उसका उचित फसल बीमा क्लेम समय पर प्राप्त हो। किसानों के फसल बीमा क्लेम के भुगतान में हो रही अनावश्यक देरी को लेकर राजस्थान सरकार ने बेहद गंभीर रुख अपनाया है।

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बीमा क्लेम समय पर भुगतान के लिए राज्य सरकार गंभीर : डॉ. किरोड़ीलाल**

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेमा जनरल इंश्योरेंस कंपनी तथा इंडसइंड (रिलायन्स) जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड को सख्त नोटिस जारी करते हुए लंबित क्लेमों का तत्काल भुगतान करने तथा 12 प्रतिशत पेनल्टी सहित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से 2022 तक के 33.15 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम अभी तक लंबित हैं, जबकि किसान आवश्यक दस्तावेज जमा कर चुके हैं। राज्य सरकार के बार-बार निर्देशों और भारत सरकार द्वारा 16 फरवरी 2024 को जारी दिशा-निर्देशों के बावजूद कंपनी द्वारा कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की जा रही है।

परिचालन मार्गदर्शिका 2023 के अनुसार निर्धारित 21 दिनों में क्लेम का भुगतान न करने पर बीमा कंपनी पर 12 प्रतिशत वार्षिक पेनल्टी लगाने का स्पष्ट प्रावधान है। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना राजस्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फसल बीमा क्लेमों के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी को सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बीमा कंपनी को 3 कार्यदिवस के अंदर अपना पक्ष रखने को कहा है कि क्यों न लंबित क्लेमों पर देयता की तारीख से भुगतान की तारीख तक 12 प्रतिशत पेनल्टी लगाई जाए।

साथ ही सभी लंबित क्लेमों का तुरंत भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि कंपनी ने समय पर भुगतान नहीं किया तो केंद्र सरकार को रिपोर्ट करने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना बनी गेम चेंजिंग स्कीम

योजना के दसवें चरण में 465 औद्योगिक भूखण्डों के लिए लगभग 800 आवेदन प्राप्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हेतु उद्यिमयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 को निवेशकों का लगातार उत्साहजनक समर्थन मिल रहा है। योजना के दसवें चरण में 465 औद्योगिक भूखण्डों के लिए लगभग 800 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 294 एकड़ तथा अनुमानित मूल्य करीब 550 करोड़ रुपये है।

इस चरण में जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्र कांकाणी के लिए सर्वाधिक 267 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त अजमेर स्थित आईजीपी अजयमेरू पालड़ा विस्तार के लिए 48, अलवर के आईजीपी रूंध सोखरी के लिए 43, पचपदरा रिफाइनरी के पास विकसित किये गये औद्योगिक क्षेत्र बोरावास कलावा प्रथम के लिए 31 तथा

- **इस योजना के माध्यम से राज्य में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे**

बोरानाडा विस्तार औद्योगिक क्षेत्र के लिए 58 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

रीको ने असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आवंटन के लिए फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं किराया नीति में आंशिक संशोधन कर यह प्रावधान किया है कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों में दो प्रयासों के बाद भी 25 प्रतिशत से अधिक भूखण्डों का आवंटन नहीं हो पाया है, वहां भूखण्डों का आवंटन प्रचलित दर के 60 प्रतिशत अथवा आरक्षित दर, जो भी अधिक हो, पर किया जायेगा। नौवें चरण में 60 प्रतिशत दर पर उपलब्ध कराए गए 22 भूखण्डों के लिए 25 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सर्वाधिक आवेदन अजमेर के अजयमेरू पालड़ा विस्तार क्षेत्र के लिए आए थे। वहीं दसवें चरण में ऐसे असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों के लिए पहले से कहीं अधिक 113 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अजयमेरू पालड़ा विस्तार (अजमेर), सरदारशहर विस्तार (चूरू), कचारिया (किशनगढ़), लोहावट एवं सियामाली (मंडौर) सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में इसी संबंध में बडी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं।राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप रीको लगातार निवेश-अनुकूल नीतियों पर कार्य कर रहा है। निवेशकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किए जा रहे सुधार एवं नीतियों का सरलीकरण राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति प्रदान करेंगे तथा नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देंगे। रीको द्वारा प्रक्रियाओं को सरल बनाने एवं उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी दोषमुक्त

जयपुर। खाटूश्यामजी दर्शन करने के बहाने से नाबालिग के साथ दुष्कर्म से जुड़े प्रकरण में पोक्सो एक्ट मामलों की विशेष अदालत में न्यायाधीश विकास खंडेलवाल ने अभियोजन कहानी को पूर्णतया विश्वसनीय एवं संदेहास्पद मानते हुए मेडिकल साक्ष्य के अभाव में मामले में आरोपी 21 वर्षीय विकास झींगनिया निवासी झोटवाड़ा को दोषमुक्त करने के आदेश दिए हैं । अदालत ने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले में लगाए आरोपों को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करने में पूर्णतया असफल रहा।

एडवोकेट अजीत सिंह देवंदा, हर्ष गोस्वामी व निधि गुप्ता ने मामले में आरोपी रहे विकास झींगनिया की ओर से पैरवी करते हुए विशेष अदालत में बताया कि मामले में बिना कोई अपराध गठित हुए तथाकथित पीड़िता की माता परिवादिया ने एफ. आई. आर. 2025 में दर्ज कराई थी। अदालत में पेश हुए गवाहों ने अभियोजन की कहानी लेश मात्र भी संपुष्ट नहीं की है ।

सूडान के दो विदेशी नागरिक ड्रग्स सहित गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस ने सूडान के दो विदेशी नागरिकों को मादक पदार्थ एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना क्षेत्र स्थित एसके आईटी कॉलेज के गेट नंबर-3 के सामने घेराबंदी की।

भारतीय शिक्षा बोर्ड ने अपनाई नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा

नेशनल करिक्कूलम फ्रेम वर्क (एनसीएफ 2023) लागू करने वाला देश का पहला बोर्ड बना

हरिद्वार। आज़ादी के 75 साल बाद भी भारत "मैकाले की शिक्षा पद्धति" की 'गुलामी' से आजाद नहीं हो पाया है। इस शिक्षा की गुलामी को उखाड़ फेंकने का संकल्प कुछ वर्ष पहले स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने लिया और उनकी सोच को बीएसबी बोर्ड बनाकर भारत सरकार ने साकार कर मजबूती प्रदान की। अब यही बोर्ड, देश को भारतीय शिक्षा बोर्ड के रूप में नई दिशा देते हुए दिख रहा है।

यह बात यूं ही नहीं कही जा रही बल्कि इसके पीछे मजबूत आधार यह है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए शैक्षिणक सत्र 2026-27 से बालवाटिका से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा रूपरेखा-विद्यालयी शिक्षा 2023 (एनसीएफ 2023) तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा आधारभूत स्तर 2022 (एनसीएफ-एफएस 2022) को लागू करने की घोषणा की है। जिसका सीधा मायने यह है कि मैकाले की शिक्षा की गुलामी से अब भारत आजाद होगा।

भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह पहल करने वाला भारतीय शिक्षा बोर्ड देश का पहला विद्यालयी बोर्ड बन गया है। जिसने संपूर्ण विद्यालयी शिक्षा क्रम में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा का व्यापक एवं समग्र कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है। यह कार्यान्वयन रटंत शिक्षा पद्धित से आगे बढ़ते हुए दक्षता आधारित, अनुभवात्मक तथा समग्र शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालय अब शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धितयों, बहुभाषी शिक्षा दृष्टिकोण तथा विभिन्न आयु-स्तरों के अनुरूप पाठ्यचर्या संरचना को अपनाएंगे, जिससे विद्यार्थियों में अवधारणात्मक समझ के साथ-साथ ज्ञान के व्यावहारिक जीवन में उपयोग की क्षमता विकसित होगी।

- **बालवाटिका से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा होगी लागू**
- **मैकाले की 'गुलामी' वाली शिक्षा पर भारतीय शिक्षा बोर्ड की करारी चोट होगी : डॉ. एन.पी. सिंह**

भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एवं रिटायर्ड आईएएस डॉ. एनपी सिंह का कहना है कि सच्ची शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा का पोषण करती है तथा व्यक्तियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करती है, जिससे वे आधुनिक विश्व में समाज और राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। इसलिए यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो शिक्षा नीति को कक्षा-स्तर की वास्तविक शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में भारतीय शिक्षा बोर्ड को अग्रणी संस्था के रूप में स्थापित करती है।

विधानसभा के 75 वर्ष पर लोगो का विमोचन व द्वार नामकरण होगा

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया है कि राजस्थान विधान सभा की स्थापना के 75 वें वर्ष के अवसर पर विधान सभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और विधान सभा के ऐतिहासिक द्वारों के नामकरण की पट्टिकाओं का अनावरण विधान सभा में सोमवार 18 मई को होगा। विधायक कक्ष में सोमवार को प्रातः 10:30 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित विधायक गणों को आमंत्रित किया गया है। समारोह का सजीव प्रसारण विधानसभा के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गत ढाई वर्षों में राजस्थान विधान सभा में बेहतरीन पहले कर नवाचारों की श्रंखला बना दी हैं। इससे राजस्थान विधान सभा की देश में अनूठी पहचान बनी है। यह विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा भी बन गई है। देवनानी ने गुलाबी नगर की पहचान के अनुरूप विधान सभा सदन के स्वरूप में नवाचार कर उसे गुलाबी किया है। विधान सभा की डिजिटल एवं पेपरलेस व्यवस्था, डिजिटल संग्रहालय, संविधान दीर्घा, वंदेमातरम दीर्घा, लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ने के लिए जनदर्शन कार्यक्रम. शौर्य वाटिका, नक्षत्र वाटिका, हर्बल वाटिका, ऑनलाइन उपस्थिति, विधान सभा में महिला दिवस जैसे आयोजनों ने विधान सभा को नई पहचान दी है।

उत्तरदायित्व की प्रश्नोत्तरी, सेन्ट्रल हॉल की परिकल्पना, विधान सभा सदन में चर्चा का समय बढ़ा, सुरक्षा हुई चाक चौबन्द, सोशल मीडिया इन्फ्लुएसर्स मीट और कॉन्स्टिटयूशन क्लब को बनाया विचार-विमर्श का केन्द्र सहित अनेक नवाचारों से राजस्थान विधान सभा के स्वरूप में अदभुत निखार आ गया है।

त्रुटिपूर्ण प्रश्नों और गलत उत्तर कुंजी पर हाईकोर्ट गंभीर

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षाओं में त्रुटिपूर्ण प्रश्नों और गलत उत्तर कुंजी को लेकर बार-बार याचिकाएं आने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे कार्मिक सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ आईएएस अफसरों की एक हाई लेवल कमेटी का गठन करें। यह कमेटी इस विषय पर गहन परीक्षण कर भविष्य की भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुचिता सुनिश्चित करने के लिए एसओपी बनाने के साथ ही अन्य सुधारात्मक उपाय भी निर्धारित करे। अदालत ने कहा है कि कमेटी यह भी परीक्षण करेगी कि क्या ऐसे प्रश्न और उत्तर कुंजी तैयार करने वाले अधिकारियों और विशेषज्ञों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई आरंभ की जा सकती है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 लेवल द्वितीय को लेकर दायर 45 याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में बेरोजगारी ने अत्यंत गंभीर रूप धारण कर लिया है और प्रतिस्पर्धा असाधारण स्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में एक-एक प्रश्न भी अत्यधिक महत्व रखता है और एक प्रश्न से सैकडों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित होता है।

- **पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन कर एसओपी बनाने के निर्देश दिए**

इसलिए प्रश्न पत्र तैयार करने और उत्तर कुंजी बनाने में अत्यधिक सावधानी, निष्पक्षता व सतर्कता जरूरी है। अदालत ने कहा कि भर्ती एजेंसियों को परीक्षा संचालन में लापरवाही करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन पर संवैधानिक दायित्व है कि वे सक्षम विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रश्न पत्र व उत्तर कुंजी पूर्ण शुचिता से तैयार करें, ताकि किसी भी गलती की संभावना नहीं हो। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि साल 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल 2 के परिणाम के बाद नियुक्तियां हुई। वहीं बाद में कोर्ट के आदेश से संशोधित परिणाम जारी हुआ। इसके याचिकाकर्ताओं के अंक पूर्व में नियुक्त अभ्यर्थियों से अधिक हो गए, लेकिन नई कट ऑफ में शामिल नहीं हो सके। ऐसे में उनसे कम अंक वालों को मिली नियुक्ति के चलते उन्हें भी नियुक्ति दी जाए।

बस की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत, दो साथी घायल

जयपुर। गलता गेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी मामूली घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने बस को जब्त कर चालक को राउंडअप कर लिया है। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि हादसे में रामगंज स्थित फूटा खुर्रा निवासी मोहम्मद रईस (21) पुत्र मुमताज अली की मौत हो गई। जो शुक्रवार देर रात अपने दो साथियों के साथ स्कूटी से गलता गेट से घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार धोबी घाट से निकलते समय पंजाब नंबर की एक बस के चालक ने स्कूटी को ड्राइवर साइड से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान आगे मोड़ आने पर चालक ने बस को घुमाया, जिससे स्कूटी बस के टायर और डिवाइडर के बीच आ गई। हादसे में मोहम्मद रईस गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं स्कूटी पर सवार उसके दो साथियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले में बस को जब्त कर चालक से पूछताछ की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

सार-समाचार

नेहल को 12वीं बोर्ड परीक्षा में ए-1 ग्रेड

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परिणाम में जयपुर निवासी नेहल को ए1 ग्रेड मिली है। कैंब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल मानसरोवर की छात्रा नेहल को अंग्रेजी, इतिहास, राजनैतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, योगा, कार्य अनुभव, शारीरिक शिक्षा, गणित और सामान्य ज्ञान समेत तमाम विषयों में ए1 ग्रेड मिली है। नेहल ने अपनी सफलता का श्रेय पिता नरेन्द्र कुमार व मां शालिनी शर्मा व परिवारजनों व शिक्षकों को दिया है।

फोरम की नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

जयपुर। कभी केवल डेस्टिनेशन वेडिंग्स के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान अब देश की इवेंट इंडस्ट्री का अगला बड़ा केंद्र बनने को तैयार है। तेजी से बदलते इस लैंडस्केप के बीच फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार रात आमेर रोड स्थित एक होटल में हुआ। समारोह में पूर्व अध्यक्ष मोहित माहेश्वरी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हितेंद्र शर्मा को कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रैमी अवॉर्ड विजेता और पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध संगीतज्ञ विश्व मोहन भट्ट रहे। उनके साथ उनके पुत्र सलिल भट्ट भी कार्यक्रम ने उपस्थित थे। नई कार्यकारिणी में अजय चौहान और विनीत जैन ने उपाध्यक्ष, भुवनेश अग्रवाल (चावल वाला) ने जनरल सेक्रेटरी, कुलदीप सिंह ने कोषाध्यक्ष तथा सुनील विजयवर्गीय, यश माहेश्वरी, रोहित अजमेरा और अक्षत पुरोहित ने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शपथ ली। समारोह में पूर्व अध्यक्ष, महावीर प्रताप शर्मा, हरप्रीत बग्गा और इवेंट गुरु अरशद हुसैन सहित इवेंट, होटल, ट्रैवल और वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग शामिल हुए। इस अवसर पर इस साल आयोजित किए जाने वाले इंटरनेशनल वेडिग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव व इवेंटस्थान की भी घोषणा भी की गई।

शिवदासपुरा में फर्नीचर फैक्ट्री में आग

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में शनिवार सुबह एक फर्नीचर फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दमकल विभाग को फैक्ट्री के बाहरी हिस्से की दीवार तोड़ने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब 10 दमकल गाड़ियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सीतापुरा फायर स्टेशन की फायर ऑफिसर ऊषा शर्मा ने बताया कि जगतपुरा के रामचंद्रपुरा विधानी स्थित रामचंद्र मोतीलाल नाम की फर्नीचर फैक्ट्री में शनिवार सुबह करीब सवा दस बजे जैसे ही फैक्ट्री खुली, उसके कुछ ही देर बाद अचानक चिंगारियां उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि आग भड़कते ही अंदर मौजूद सभी कर्मचारी और श्रमिक तुरंत बाहर भाग निकले, जिससे एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में सूखी लकड़ी और तैयार फर्नीचर होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया।

भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर। स्वेज़ फार्म स्थित श्री शनिदेव मंदिर में श्री शनिदेव का जन्मोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया गया जिसमें महंत भगवती प्रसाद ने बताया कि पुजारी राहुल शर्मा और पुजारी अंकित शर्मा ने भगवान शनिदेव का दूध अभिषेक और तेल अभिषेक कर नई पोशाक धारण करवाई तथा ठंडी शरबत व खीर इमरती का भोग लगाया। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण वर्ग आज से

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र में 17 मई से प्रदेश के 12 स्थानों पर 14 प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ होंगे। इनमें 10 संघ शिक्षा वर्ग, तीन घोष वर्ग और एक कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम शामिल है। इन वर्गों में विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, तरुण तथा विभिन्न व्यवसायों से जुड़े स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल ने बताया कि संघ शिक्षा वर्गों में स्वयंसेवकों को साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन तथा सामूहिक जीवन के सामंजस्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्गों में शारीरिक, सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण अवधि में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा जल संरक्षण को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान क्षेत्र का कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) जयपुर के राजापार्क में आयोजित होगा।

लोग पूछते हैं संघ ने स्वतंत्रता के लिए क्या किया, तो यह जानने के लिए उन्हें अध्ययन करना चाहिए : राज्यपाल

जयपुर (कासं)। जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में शनिवार को युग प्रवर्तक डॉ. हेडगेवार, संघ सृजन का नाट्य अविष्कार शीर्षक से नाटक का भव्य मंचन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा डॉ. केशव बलिराम

- **बिड़ला सभागार में डॉ. केशव हेडगेवार पर नाटक का मंचन**

हेडगेवार पर मंचित इस नाटक से आपको उनके जीवन का परिचय होगा। उन्होंने स्कूल में अंग्रेज महारानी द्वारा बाँटी गई मिठाई ग्रहण नहीं की क्योंकि वो हमारी महारानी नहीं थी। डॉ. साहब ने कांग्रेस के अधिवेशन में घोषणा की कि यही हिन्दू राष्ट्र है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पर मंचित नाट्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा, लोग बोलते हैं कि स्वतंत्रता के लिए संघ ने क्या किया तो यह जानने के लिए उन्हें अध्ययन करना चाहिए। संघ ने सुराज के लिए एकजुटता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. साहब अंतिम समय काफ़ी बीमार रहे।

1940 में तृतीय वर्ष के संघ शिक्षा वर्ग में आए तो सभी स्वयंसेवकों को देख कर उन्होंने कहा, मैं यहां भारत का छोटा रूप देख रहा हूँ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आर्गेनाइजर में लेख लिखा था, जिसमें बताया कि मैं आज जो कुछ हूँ, संघ के प्रचारक नारायणराव तर्टे के कारण हूँ। डॉ. साहब ने ही नानाजी देशमुख को पिलानी में प्रचारक बनने के लिए भेजा। उन्होंने कहा, एक प्रचारक कभी अपने अनुभव भूलता नहीं है। एक-एक रुपया जमा कर विवेकानंद जी का स्मारक बनाया। मोरोपन्त पिंगले ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया कि ऐसा अचार विचार का वातावरण बनाना है, जिससे विकास का मार्ग प्रशस्त हो। संघ का काम देश सेवा का बहुत बड़ा काम है। अपना काम तन्मयता से करते रहें तो काम बड़ा होता है। स्वयंसेवकों ने संघर्ष के कठिन दिन देखे हैं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. रमेशचंद अग्रवाल ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का काम नदी के पुण्य प्रवाह की तरह चल रहा है। संघ का विशाल स्वरूप इसी भक्ति भाव का प्रतीक है। महामंडलेश्वर गणेश दास महाराज ने कहा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार दूरदर्शी व्यक्ति थे जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत व मार्गदर्शक हैं। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा यह नाट्यय प्रस्तुति राष्ट्रीय चेतना की सांगठनात्मक शक्ति का प्रवाहक है।

डॉ. हेडगेवार ने कहा था कि राष्ट्रीय चेतना व्यक्ति निर्माण का महत्वपूर्ण अंग है। प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आयोजित कार्यक्रम संस्कृति व संस्कारों से समाज को जोड़ने का काम कर रहा है। आइये हम सभी समृद्ध सांस्कृतिक व प्रेरणादायी भारत का निर्माण करें।नादब्रह्म के प्रचार प्रमुख रवींद्र सहस्त्रबुद्धे ने आभार व्यक्त किया। डॉ. अजय प्रधान द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन सुबोध सुरजीकर ने किया है। निर्माता पद्मकर धनोरकर हैं। संगीत शैलेश दाणी का रहा। नागपुर की नादब्रह्म टीम ने यह नाटक तैयार किया है। नादब्रह्म नागपुर के 45 स्वयंसेवकों का संगठन है।

जूनियर समर कैम्प का शुभारम्भ

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित जूनियर समर कैम्प 2026 का शुभारम्भ 16 मई को पर्यटन, कला एवं संस्कृति शासन सचिव तथा जेकेके की महानिदेशक शुचि त्यागी द्वारा किया गया। त्यागी ने बच्चों की प्रतिभा, कला के प्रति उनके रुझान एवं सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सृजनशीलता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर बल दिया।

वाहन चोर और खरीददार गिरफ्तार

जयपुर। कालवाड़ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुख्य वाहन चोर और चोरी की बाइक खरीदकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि कालवाड़ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले मुख्य आरोपी राहुल मीणा (23) निवासी जोबनेर जिला जयपुर और सुरेश कुमार भौचल्या (31) निवासी रेनवाल जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राहुल मीणा मास्टर चाबी की मदद से बाजारों और सुनसान स्थानों से चंद सेकंड में बाइक चोरी कर लेता था।

दिनदहाड़े सूने मकान में हाथ साफ करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिनदहाड़े सूने मकान में हाथ साफ करने वाले एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई पूरी रकम भी बरामद कर ली है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिनदहाड़े सूने मकान में चोरी करने वाले एक शातिर नबकजन इब्राहिम (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपित मूल रूप से नाहरी का नाका शास्त्रीनगर जयपुर का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दिन के समय रिहायशी इलाकों में घूमकर सुनसान और सूने मकानों की रेकी करता है और मौका मिलते ही चंद मिनटों में वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता है। थानाधिकारी दशरथ ने बताया कि

आरोपी इब्राहिम

पकडा गया आरोपी इब्राहिम आदतन अपराधी और शातिर नकबजन है। उसके खिलाफ पूर्व में भी जयपुर के विभिन्न थानों (विशेषकर शास्त्री नगर) में चोरी, आरपीजीओ और एनडीपीएस एक्ट के तहत करीब 5 से 6 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

'समर ड्रीमलैंड फन फेयर' का आगाज

अजमेर, (कासं)। शहरवासियों के लिए इस बार गर्मियों में मनोरंजन और पर्यटन का अनोखा संगम लेकर 'समर ड्रीमलैंड फन फेयर 2026' का आयोजन वैशाली नगर क्षेत्र में किया जा रहा है। अजमेर शहर में पहली बार नियाग्रा फॉल और कश्मीर वैली थीम पर आधारित इस भव्य फन फेयर की शुरुआत शनिवार को विधिवत पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने फीता काटकर किया। इसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर फेयर के सफल आयोजन की कामना की गई। अरविंद शर्मा ने बताया कि फेयर में बच्चों, युवाओं और परिवारों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन साधन आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यहां बड़े-बड़े झूले, एडवेंचर राइड्स, बच्चों के खेल क्षेत्र और सेल्फी पॉइंट तैयार किए गए हैं। नियाग्रा फॉल और कश्मीर वैली थीम पर बनाए गए विशेष डेकोरेशन लोगों को प्राकृतिक सौंदर्य का अहसास करा रहे हैं। शाम के समय रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत के बीच फेयर का नजारा और भी आकर्षक दिखाई दे रहा है। फन फेयर में मनोरंजन के साथ-साथ खानपान की भी विशेष व्यवस्था की गई है। विभिन्न फूड कॉर्नर पर देशी-विदेशी व्यंजन, फास्ट फूड, बच्चों की पसंदीदा डिशेज और पारंपरिक स्वाद लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

अजमेर से तीन नई नियमित साप्ताहिक ट्रेनों का शुभारंभ

अजमेर। रेलवे यात्रियों के लिए बड़ी सौगात देते हुए अजमेर रेलवे स्टेशन से तीन नई नियमित साप्ताहिक ट्रेनों का शनिवार को शुभारंभ किया गया। इनमें अजमेर-बांद्रा साप्ताहिक एक्सप्रेस की दो अलग-अलग सेवाएं तथा अजमेर-दौंड साप्ताहिक एक्सप्रेस शामिल हैं। नई ट्रेनों के संचालन से राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क और अधिक मजबूत होगा तथा यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी।

- **मुंबई और दौंड के लिए बढ़ी रेल कनेक्टिविटी**
- **कार्यक्रम में अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल तथा मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा भी मौजूद रहे**

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने अजमेर रेलवे स्टेशन सेसाप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शनिवार शाम 5:30 बजे अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने गाड़ी संख्या 09653 अजमेर-बांद्रा साप्ताहिक एक्सप्रेस की नियमित सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल तथा मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव ने बताया कि नई ट्रेनों के संचालन से अजमेर मंडल के यात्रियों को मुंबई, सूरत, पुणे और दौंड जैसे प्रमुख शहरों तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इससे व्यापार, पर्यटन, रोजगार और पारिवारिक यात्राओं में भी सुविधा बढ़ेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार नई ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को वैकल्पिक रेल सेवाएं मिलेंगी और लंबे समय से चली आ रही अतिरिक्त ट्रेनों की मांग भी पूरी होगी। कार्यक्रम के दौरान रेलवे अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में यात्रियों ने नई ट्रेनों के शुभारंभ पर खुशी जताई।

कब्रिस्तान में लगातार चोरी की घटनाए

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के गंज पुलिस थाना इलाके में स्थित गौरां गरीबा कब्रिस्तान में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय गौरां गरीबा समिति ने थाना पुलिस को शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि असामाजिक तत्व आए दिन कब्रिस्तान परिसर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

समिति के सदस्य मोहम्मद नजीर कादरी के अनुसार कब्रिस्तान परिसर में रोशनी की व्यवस्था के लिए लगाई गई लाइटें, विद्युत वायर तथा अन्य उपयोगी सामान अज्ञात चोर बार-बार चोरी कर ले जाते हैं। इससे न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है बल्कि कब्रिस्तान में आने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति सदस्यों ने बताया कि इससे पूर्व भी कई बार चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। रात के समय अंधेरा रहने के कारण कब्रिस्तान परिसर में असुरक्षा का माहौल बन गया है। कब्रिस्तान जैसे धार्मिक स्थल पर लगातार हो रही चोरी की घटनाएं चिंता का विषय हैं। समिति ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में आरोपियों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की है।

तीर्थनगरी पुष्कर में ज्येष्ठ अमावस्या पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ा

- **सरोवर के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए वैदिक रीति-रिवाज से तर्पण और पिंडदान किया**
- **ब्रह्मा मंदिर के नीचे स्थित वट वृक्ष के पास सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ी**

पुष्कर, (निसं)। तीर्थनगरी पुष्कर में शनिवार को ज्येष्ठ माह की अमावस्या श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई। पवित्र पुष्कर सरोवर में ब्रह्म मुहूर्त से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सरोवर में पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पूर्वजों की आत्मशांति के लिए किया तर्पण: ज्येष्ठ अमावस्या पर पितृ कर्म का विशेष महत्व माना जाता है। सरोवर के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए वैदिक रीति-रिवाज से तर्पण और पिंडदान किया। तीर्थ पुरोहितों के सानिध्य में मंत्रोच्चार के बीच परिवार की सुख-समृद्धि और पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थनाएं की गईं।

श्री तीर्थ गुरु कृपा पुष्कर राज महाआरती संघ की ओर से गणगौर घाट पर तीन मंचों से सरोवर की महाआरती आयोजित की गई। संघ के प्रवक्ता इंद्र सिंह पंवार ने बताया कि महाआरती पंडित राहुल पाराशर के सानिध्य में संपन्न हुई। वहीं संघ के संरक्षक अजय शर्मा ने बताया कि पंडित चन्द्रशेखर गौड़ के नेतृत्व में पांच मंचों से भव्य महाआरती की गई।

महिलाओं ने किया वट सावित्री व्रत: अमावस्या के साथ शनिवार को वट सावित्री व्रत भी श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जगतपिता ब्रह्मा मंदिर के नीचे स्थित वट वृक्ष के पास सुबह से ही सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने विधि-विधान से बरगद वृक्ष का पूजन किया, जल अर्पित किया तथा सूत का धागा लपेटकर पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना की।

वट वृक्ष का धार्मिक महत्व: ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक पंडित ब्रजमोह शास्त्री ने बताया कि वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास की अमावस्या को मनाया जाता है। हिंदू धर्म में वट वृक्ष को अत्यंत पूजनीय माना गया है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसमें सभी देवी-देवताओं का वास होता है। मान्यता है कि बरगद वृक्ष की तरह ही पति की आयु भी लंबी होती है।

ब्रह्मा मंदिर में वितरित किया गया मिल्क रोज प्रसाद: जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में शनि अमावस्या के अवसर पर भक्त जीवन माली और उनकी टीम द्वारा करीब 3100 लीटर मिल्क रोज का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

नाम परिवर्तन

मैं, माया, पत्नी महेंद्र सिंह, निवासी ग्राम सूरजकुंड, तहसील पीसांगन, अजमेर (राजस्थान), ने अपना नाम माया से बदलकर माया देवी कर लिया है और यह परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा अब से मुझे माया देवी के नाम से जाना जाएगा।

राजस्थान बोर्ड की पूरक परीक्षाएं शांतिपूर्ण सम्पन्न

- **उच्च माध्यमिक स्तर के सभी व्यवसायिक विषयों के साथ प्रवेशिका और उपाध्याय स्तर के समस्त विषय शामिल रहे**

अजमेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित पूरक परीक्षाओं का शनिवार को सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण समापन हो गया। राज्यभर के 163 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं सुव्यवस्थित और निष्पक्ष वातावरण में आयोजित की गईं। अंतिम दिवस आयोजित परीक्षाओं में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सभी व्यवसायिक विषयों के साथ प्रवेशिका और उपाध्याय स्तर के समस्त विषय शामिल रहे। इन परीक्षाओं में कुल 4351 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। बोर्ड प्रशासन की ओर से परीक्षा संचालन के लिए व्यापक और प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा नकल का कोई मामला सामने नहीं आया। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई।

सभी कार्मिकों के सहयोग की सराहना: बोर्ड प्रशासक शक्ति सिंह ने पूरक परीक्षाओं के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि परीक्षा संचालन में प्रशासनिक अधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, पुलिस कर्मियों तथा अन्य कार्मिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने परीक्षा कार्य में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण, अजमेर

ई-मेल आईडी-ajmer.rj-dra@nic.in
क्रमांक : CEA/Path lab/2025/ दिनांक
-: सूचना:-

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक स्थापन के अन्तर्गत पैथलैब के स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध में विस्तृत सूचना प्राधिकरण की वैबसाईट www.clinicaliestab-lishments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलैब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है, के संबंध में यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. admh-ha-rj@rajasthan.gov.in पर 30 दिवस में मय प्रमाण के सूचित करें।
पैथलैब का नाम : दयाल बीना चैरिटेबल डॉयग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेंटर
पता : 48/X सिविल लाइंस सावित्री कॉलेज कॉलेज रोड मेडिकल गर्ल्स हॉस्टल अजमेर, प्रकार (बुनियादी / मध्यम/उन्नत) मध्यम

(डॉ0 ज्योत्स्ना रंगा)
संयोजक जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर

सार-समाचार

रोहिल्ला कांग्रेस ओबीसी विभाग के महासचिव मनोनीत

अजमेर,(कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हर सहाय यादव ने खुशवंत रोहिल्ला को अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग का जिला महासचिव मनोनीत किया है। रोहिल्ला के जिला महासचिव बनने पर अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यालय पर पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर एवं साफा पहनकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर ओबीसी विभाग के शहर जिलाध्यक्ष सतीश वर्मा अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिवकुमार बंसल, पूर्व पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता, मुकेश सिंह राठौड़, अहमद हुसैन, शंकर गुर्जर, भारत सिंह कनवारी, अशोक सिंह जेतमाल, पप्पू कुरैशी, हेमेंद्र सिंह मऊ, अभिषेक रावत आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

गुर्जर गौड़ समाज का युवा सम्मेलन आज

अजमेर/ पुष्कर, (कासं)। गुर्जर गौड़ समाज की ओर से युवाओं के शैक्षणिक विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से गौतम आश्रम, पुष्कर में प्रेरणादायी युवा सम्मेलन 17 मई को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में समाज के प्रतिष्ठित प्रशासनिक अधिकारी एवं सफल अभ्यर्थी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन, अध्ययन तकनीक, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास निर्माण जैसे विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। अध्यक्ष मोहन राज उपाध्याय ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज के छात्र-छात्राओं को प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं के भविष्य निर्माण का सशक्त मंच साबित होगा। सम्मेलन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के प्रबुद्धजन भाग लेंगे। आयोजन समिति के अनुसार, ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को भी सीमित संसाधनों में सफलता प्राप्त करने के गुर बताए जाएंगे। कार्यक्रम में इंटरव्यू तैयारी, संवाद कौशल और व्यवहारिक ज्ञान पर विशेष सत्र भी आयोजित होंगे। समिति ने समाज के सभी परिवारों से अपने बच्चों को सम्मेलन में भेजने की अपील की है, ताकि उन्हें अनुभवी अधिकारियों से सीधे मार्गदर्शन मिल सके।

टिन शेड और सीसी फ्लोरिंग कार्य का उद्घाटन

मसूदा, (कासं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में श्री फाउंडेशन ट्रस्ट की सीएसआर पहल 'स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट प्रोजेक्ट' के अंतर्गत ग्राम पंचायत श्यामगढ़ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नीमगढ़ में नवनिर्मित टिन शेड और सीसी फ्लोरिंग कार्य का आज भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सीमेंट के कमर्शियल हेड रवींद्र जैन ने फीता काटकर इसका लोकार्पण किया और इसे स्कूल प्रशासन को सौंपा।इस अवसर पर मुख्य अतिथि रवींद्र जैन ने कहा कि सीसी फ्लोरिंग के साथ टिन शेड का निर्माण छात्रों के लिए बेहद उपयोगी है और यह स्कूल की एक बुनियादी जरूरत थी, यह छात्रों के विकास में मददगार होगी, नए परिसर से अब छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षिक सेमिनार, राष्ट्रीय दिवस समारोह और शिक्षक-अभिभावक बैठक जैसी विभिन्न गतिविधियों को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए एक उपयुक्त स्थान मिलेगा।श्री सीमेंट के मानव संसाधन विभाग के अधिकारी भरत शर्मा ने बताया कि समारोह के दौरान अमित टाक (सीएसआर), भुवन जैन (माइंस विभाग), श्यामगढ़ ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच एस.के. मस्ताना , समाजसेवी सलीम काठात और राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे, इनके साथ ही भारी संख्या में ग्रामीण, स्कूल स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। इस अवसर पर इस पुनीत कार्य के लिए पूर्व सरपंच, स्कूल प्रधानाचार्य, उप सरपंच और विद्यार्थियों ने श्री फाउंडेशन ट्रस्ट का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस पूरी सीएसआर गतिविधि से विद्यालय के लगभग 350 छात्र सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में कुल 350 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया ।

भागवत ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ आज

सरवाड़, (कासं)। सरवाड़ निकतवर्ती गांव बावड़ी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा यज्ञ का शुभारंभ आज रविवार किया जाएगा वहीं इस दौरान कथा आयोजन समिति के प्रवक्ता प्रताप सिंह राठौड़ के सानिध्य में आज रविवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी वहीं कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर व्यास पीठ पर विराजमान पंडित परमेश्वर प्रसाद शास्त्री मुखारविंद से कथा का श्रवण करेंगे वहीं कथा का समापन 23 मई को होगा यह कथा प्रात 9 बजे 12 बजे तक होगी वहीं इस अवसर पर कथा आयोजन को लेकर ग्रामीणों में खुशी देखने को मिली।

दिव्यांग बच्चों ने उत्साह से वार्षिक उत्सव मनाया

अजमेर, (निसं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास अजमेर तथा पुराने रंगनाथ मंदिर पुष्कर के संयुक्त तत्वावधान में संचालित उम्मीद डे केयर सेंटर में शनिवार को दिव्यांग बच्चों का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुकेश कुमावत सहित कई समाजसेवी, अभिभावक और संस्थान का स्टाफ मौजूद रहा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोकेंद्र सिंह, परमेश्वर रावत, कैलाश रावत और प्रेम को भी सम्मानित किया गया।

- **सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेल प्रतिभाओं का हुआ सम्मान**

उम्मीद डे केयर सेंटर में दिव्यांग बच्चों का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया।

अतिथियों ने बच्चों को फल और बिस्किट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। शिक्षकों ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छगनलाल मेघवाल, रामनिवास सरगरा, सुनीता वर्मा, जयप्रकाश, लक्ष्मण सिंह और पन्ना सिंह रावत का विशेष सहयोग रहा। केंद्र शिक्षिका भाग्यश्री नागर ने सभी अतिथियों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

तीन युवा कलाकारों का राज्य कला प्रदर्शनी में चयन

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा की समृद्ध कला परंपरा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए, स्थानीय आकृति कला संस्थान के तीन होनहार युवा कलाकारों ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उदयपुर की प्रतिष्ठित कला संस्था 'टखमण-28' द्वारा आयोजित 'एल.एल. वर्मा स्मृति तृतीय राज्य कला प्रदर्शनी' के लिए भीलवाड़ा के इन कलाकारों का चयन किया गया है। संस्था सचिव कैलाश पालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार 3 वर्ष हो रही यह प्रदर्शनी इस बार कला जगत में विशेष उत्साह एवं व्यापक सहभागिता के साथ सामने आयी है। राजस्थान के लगभग प्रत्येक जिले के कला महाविद्यालयों और कला संस्थाओं से विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मक कलाकृतियां मांगी गई। इस वर्ष प्रदर्शनी के लिए करीब 400 प्रवृष्ठियां प्राप्त हुई, चयन समिति की प्रक्रिया को निष्पक्ष और गुणवतापूर्ण बनाये रखने के लिये चयन दो चरणों में किया गया।

डॉ. एस.डी. मिश्रा दूसरी बार अध्यक्ष और हरिशंकर सारण तीसरी बार सचिव बने

अजमेर। शास्त्री नगर स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रबंधक समिति की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार सायंकाल आयोजित किया गया। आमसभा में मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सिंह राठौड़ (भारतीय वन सेवा) ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह में डॉ. एस.डी. मिश्रा ने लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद की शपथ ली, जबकि हरिशंकर सारण तीसरी बार सचिव बने। इसके अलावा ई.एन.डी. वैष्णव को उपाध्यक्ष, रजनी चौधरी को महिला उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश टाक को संयुक्त सचिव, राजेश त्यागी को कोषाध्यक्ष, अजय शर्मा को सह-कोषाध्यक्ष, विष्णु प्रसाद गोयल को अंकेक्षक तथा अधिवक्ता डॉ. चंद्रभान सिंह राठौड़ को विधि सलाहकार पद की शपथ दिलाई गई।

मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। समिति सदस्यों ने भी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का अभिनंदन करते हुए खुशी जाहिर की।

शास्त्री नगर मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी ने शपथ ली ।

कार्यक्रम में सचिव हरिशंकर सारण ने देवस्थान विभाग में ट्रस्ट का पंजीयन कराने, संविधान वाचन, ट्रस्टी सदस्यों की संख्या निर्धारण, ट्रस्टी शुल्क तय करने तथा निवर्तमान समिति से रिकॉर्ड हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति ने एकजुटता और सौहार्द का परिचय देते हुए निर्विरोध चुनाव सम्पन्न कराए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी मंदिर एवं समाजहित में बेहतर कार्य करेगी। अध्यक्ष डॉ. एस.डी. मिश्रा ने सभी सदस्यों का धन्यवाद देते हुए कहा कि पूरी टीम जनहित और धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगी।

रोटरी क्लब अजमेर संयोगिता में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का आधिकारिक दौरा

- **महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्लब के कार्यों की सराहना**
- **क्लब अध्यक्ष डॉ. भारती प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत करते हुए क्लब के सेवा उद्देश्यों, सदस्यता वृद्धि तथा स्थायित्व पर प्रकाश डाला**
- **असिस्टेंट गवर्नर राजीव तोषनीवाल ने भी क्लब के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी सदस्यों को सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने का संदेश दिया**

अजमेर, (कासं)। रोटरी क्लब अजमेर संयोगिता में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. निशा शेखावत का आधिकारिक दौरा गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रोटरी के सेवा कार्यों, सदस्यता विस्तार तथा सामाजिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. निशा शेखावत एवं असिस्टेंट गवर्नर राजीव तोषनीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। क्लब सचिव डॉ. रश्मी शर्मा ने प्रभु वंदना, प्रार्थना एवं आवाहन के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत कराई।

क्लब अध्यक्ष डॉ. भारती प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत करते हुए क्लब के सेवा उद्देश्यों, सदस्यता वृद्धि तथा स्थायित्व पर प्रकाश डाला। क्लब सदस्य यशिका रांका ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर संचालित सेवा प्रकल्पों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

अपने संबोधन में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. निशा शेखावत ने महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोटरी केवल सेवा का संगठन नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सदस्यों को भविष्य में भी इसी समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. शेखावत ने विश्वभर में रोटरी द्वारा संचालित सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि रोटरी ने पिछले 50 वर्षों में पोलियो उन्मूलन अभियान में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि पिछले 14 वर्षों से सात स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली एकमात्र गैर सरकारी संस्था रोटरी है।

असिस्टेंट गवर्नर राजीव तोषनीवाल ने भी क्लब के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी सदस्यों को सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान क्लब के सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई तथा पिनिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई।

एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चों की बिगड़ी तबीयत

सरवाड़, (कासं)। सरवाड़ नागोला कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों को आयरन की गोलियां देना उस समय भारी पड़ गया जब भूखे पेट गोली खाने से एक दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों को पेट दर्द, सिर दर्द व उल्टी की शिकायत होने पर स्कूल स्टाफ में हड़कंप मच गया।

सभी बीमार बच्चों को स्थानीय राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया जहां त्वरित प्राथमिक उपचार के बाद हालत सामान्य होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। विद्यालय में शनिवार को योजना के तहत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को आयरन व फोलिक एसिड की गोलियां खिलाई गई थी, जो बच्चे घर से भोजन करके आए थे उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई। इसके विपरीत जो बच्चे घर से खाली पेट आए थे उन्हें आयरन की 250 एमजी की गोली देते ही कुछ ही देर में उनके पेट व सिर में तेज दर्द शुरु हो गया और उल्टियां होने लगी थी ।

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ./26-27/50 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 14/5/2026

श्रीमति नीलम जैन पत्नी श्री विजय जैन निवासी 1123 / 32 आर्य नगर अजमेर द्वारा एक प्लाट नं. 1 जो खसरा संख्या 852 का एक भाग है जो वाके राजस्व ग्राम लोहागल अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 217.45 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं । प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।
पूर्व : 100 फुट रास्ता पश्चिम : अन्य की सम्पति
उत्तर : प्लाट संख्या 02 दक्षिण : अन्य की सम्पति स्थित है
अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

उपायुक्त
नगर निगम, अजमेर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार कमल कान्त साहू पुत्र स्व0 श्री सोहन लाल साहू जाति तेली निवासी 1841 शम्भू नगर कोटडा पुष्कर रोड अजमेर की आराजी कृषि भूमि जो कि ग्राम पुष्कर त0 व जिला अजमेर की वर्किंग जमाबन्दी के पुराना खाता स0 94 के वर्किंग खसरा न0 240 मीन कुल रकबा 22 बीघा 19 बिस्वा किस्म दडा का नामान्तरण स. 1292 दिनांक 02/12/2011 मे से 1 बीघा अर्थात 20/459 हिस्सा की कृषि भूमि मेरे पक्षकार के नाम दर्ज है, जो कि मेरे पक्षकार की खरीदशुदा है, जिसका मालिक स्वामी काबिज मेरा पक्षकार है जिसके संबंध मे बैनामी संव्यवहार मे इकरारनारमा बाबत सम्पूर्ण बैचान नामा, मुखत्यारनामा आम, वसीयतनामा निष्पादित किया था उक्त सभी मूल दस्तावेजात एवं चैन आफ डाक्यूमेन्ट मेरे पक्षकार से गुम हो गये है मेरा पक्षकार सभी बैनामी संव्यवहार को निरस्त करता है कोई भी व्यक्ति, संस्था, बैंक इत्यादि उक्त खरीदशुदा आराजी के सबंध मे किसी भी प्रकार का संव्यवहार नही करे सभी संव्यवहार गैर कानूनी शुन्य माने जायेगे यदि कोई व्यक्ति, संस्था, बैक इत्यादि उक्त दस्तावेजात के आधार पर कोई संव्यवहार करता है तो उसके विरूद्ध कानूनी प्रावधानो के तहत 420, 406, 467, 468, 475, 471, 120 बी भारतीय दण्ड सहिता / भारतीय न्याय सहिता के तहत कार्यवाही की जायेगी ।

अजमेर प्रदीप कुमार शर्मा,
दिनांक 14/05/2026 एडवोकेट मो.-9828124496

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा(राजस्थान)

भीलवाडा रोड रोडवेज बस स्टेण्ड के पास
E-Mail ID-eombgbp@yahoo.in npbgulabpura@gmail.com Telephone No.01483-223079
क्रमांक/न0पा0गु0/कृषि भूमि/2026/राजकाज रेफरेन्स नम्बर दिनांक: यथा ई-हस्ताक्षर

-: आपत्ति आमंत्रण सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नामान्तरण/निमार्ण स्वीकृति/कृषि भूमि नियमन के तहत् निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए है जिसके निस्तारण किए जाने में किसी आम-खास/संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस में लिखित रूप से आपत्तिकर्ता मय अपने दस्तावेजो के इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपति दर्ज करवा सकते हैं। बाद मियाद आवेदक (अन्तिम क्रेता) के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. सं.	ऑन लाईन आवेदन क्रमांक व दिनांक	नाम आवेदक	भूखण्ड संख्या	साईज	क्षेत्रफल (वर्गगज)	कॉलोनी व भूखण्ड के पडौस	फाईल का प्रकार
1.	181784 26.04.2026	श्री नोरतमल जांगिड पुत्र श्री बालमुकुन्द जांगिड व श्रीमती सरोज जांगिड पत्नि श्री नोरत मल जांगिड	37 का आधा हिस्सा	25X40	111.11	गणेश सोसायटी गुलाबपुरा। पूर्व- भूखण्ड संख्या 19 स्थित। पश्चिम- आम रास्ता 40 फीट स्थित। उत्तर- भूखण्ड संख्या 37 का आधा हिस्सा स्थित। दक्षिण- संतोष जी कांकरिया की जायदाद स्थित।	नामान्तरण

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय ग्राम पंचायत नरवर पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण (अजमेर)

क्रमांक : ग्रा.पं. नरवर / मनरेगा / निविदा / 2026-27 /11 दिनांक : 15.05.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27

ग्राम पंचायत नरवर के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मनरेगा एवं अन्य विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु दिनांक 16.05.2026 से दिनांक 25.05.2026 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण एवं निविदा दस्तावेज राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।
NIB NO :- ZAJ2627A0421
UBN NO :- ZAJ2627GLOB00433

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत नरवर
पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि दो अभियुक्तों (1) बबलू बागरिया पुत्र स्व. घीसा बागरिया पता ग्राम बड़ली, तहसीलः भिनाय केकड़ी अजमेर, राजस्थान (2) मध्य उर्फ मधु पुत्र राम चंदर पता गांव नालोगा, तहसील भिनाय अजमेर राजस्थान ने एफआईआर सं. 309/2024 धारा 305(ए)/331(3)/3(5)/317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थानाः सरोजनी नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त (1) बबलू बागरिया (2) मध्य उर्फ मधु मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त (1) बबलू बागरिया (2) मध्य उर्फ मधु फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. 309/2024 धारा 305(ए)/331(3)/3(5)/317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थानाः सरोजनी नगर, दिल्ली के उक्त (1) बबलू बागरिया (2) मध्य उर्फ मधु से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 30.06.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
विजयश्री राठौड़
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-05
कोर्ट नं.13,
पटियाला हाउस कोर्ट
नई दिल्ली
DP/6051/SW/2026

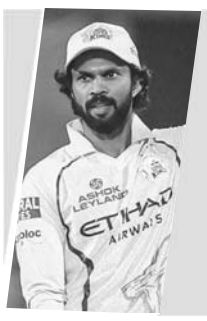

प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया उन्होंने कहा कि टीम 160 से 170 रन के स्कोर की उम्मीद कर रही थी, लेकिन 180 तक पहुंचना संतोषजनक रहा।

- रुतुराज गायकवाड़

चैन्नई कप्तान, अपने टीम के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अर्शदीप सिंह

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और मुंबई के बल्लेबाज तिलक वर्मा बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अर्शदीप सिंह को तिलक वर्मा के लिए ओए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल करते सुना गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस शुरू हो गई हैं। वीडियो सामने आने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अर्शदीप सिंह की भाषा पर सवाल उठाए और इसे आपत्तिजनक बताया हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय फुटबॉल टीम के प्रमुख रिकॉर्ड्स में पूर्व कप्तान सुनील छेत्री का नाम सबसे आगे आता है, जो भारत के लिए सबसे ज्यादा (150 से अधिक) मैच खेलने वाले और सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

आईपीएल : धर्मशाला में आज पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच होगी भिड़ंत

धर्मशाला, 16 मई । धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में कल रविवार को पंजाब किंग्स इलेवन और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आरसीबी) के बीच भिड़ंत होगी। अपने दूसरे घर धर्मशाला में पंजाब का यह तीसरा मैच है। कल खेले जाने वाले इस मुकाबले को खासकर पंजाब किंग्स इलेवन के लिए काफी अहम माना जा रहा है। पिछले पांच मैचों में लगातार मिली हार से पंजाब को प्लेऑफ में बने रहने के लिए होने वाला यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा अन्यथा वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो सकता है। उधर दूसरी ओर किंग कोहली और उनकी टीम आरसीबी के हौसले इस समय बुलंद हैं। अभी तक इस सीजन में खेले गए 12 मैचों में से 8 जीत दर्ज कर आरसीबी टेबल पॉइंट में टॉप पर बनी हुई है। वहीं पंजाब की शानदार शुरुआत के बीच पहले लगातार छह जीत और बाद में लगातार पांच हार से वह फिलहाल चौथे स्थान पर है। वहीं कल होने वाले इस मुकाबले में आरसीबी की टीम पिछले मैचोंमें जीत की लय को बरकरार रखते हुए इस मैच को जीतकर टेबल में नम्बर एक पर बने रहना चाहेगी वहीं लगातार पांच हार के बाद पंजाब इस मैच को जीतकर प्ले ऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पंजाब किंग्स अपने इस दूसरे घरेलू मैदान का फायदा उठाना चाहेगी।

पिच और मौसम की चुनौतियां बढ़ाएंगी रोमांच: हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का यह स्टेडियम दुनिया के सबसे खूबसूरत मैदानों में से एक है, लेकिन यहां की परिस्थितियां खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं। हर बार की तरह धौलाधार की पहाड़ियों के साये में तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिलने की पूरी संभावना है। शाम के समय तापमान में गिरावट और ओस गिरने की संभावना के चलते टॉस की भूमिका सबसे अहम होगी। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि टॉस जीतने वाली टीम लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेगी। ऐसा ही पिछले दो मैचों में दिखा भी है। इन दोनों मैच में पंजाब ने टॉस हारा और उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और वह दोनों मैच हार गया।

धीमी ओवर गति के कारण कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 16 मई। इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार, 15 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने भले ही मैदान पर धमाकेदार जीत दर्ज की हो, लेकिन मैच के बाद उनके कप्तान ऋषभ पंत को बड़ा झटका लगा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम की धीमी ओवर गति के कारण कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। आईपीएल संस्था ने एक बयान में कहा, ''चूंकि यह इस सीज़न में की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का पहला उल्लंघन था - जो न्यूनतम ओवर गति के उल्लंघनों से संबंधित है - इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।'' पंत इस सीज़न में ओवर गति के उल्लंघन करने वाले कप्तानों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने कई कप्तानों पर जुर्माना लगाया है।

प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

बुखारेस्ट, 16 मई । भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरुआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं।यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज़्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुर्बानी देकर आक्रामक खेल दिखाया था।

हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

सिलहट टेस्टः सिर पर चोट लगने के बाद स्ट्रेचर पर बाहर गए हसन अली

सिलहट, 16 मई। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली को शनिवार, 16 मई को सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, सिलहट में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान से स्ट्रेचर पर ले जाया गया। हसन को अपने ही ओवर में अपनी ही गेंदबाजी पर कैच लेने की कोशिश करते समय सिर में चोट लगी थी। हसन ने नवोदित सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम को लेंथ बॉल फेंकी, जिसे तमीम ने अपनी दाहिनी ओर से गेंदबाज की तरफ वापस खेलने की कोशिश की। हसन ने दाहिनी ओर छलांग लगाई, लेकिन संतुलन खो बैठे और उनके सिर का दाहिना हिस्सा जमीन पर लग गया।हसन पिच के पास ही औंधे मुंह पड़े रहे और थोड़े अचंभित लग रहे थे। फिर उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे पाकिस्तान के खिलाड़ियों और प्रशंसकों में चिंता की लहर दौड़ गई। वह अपना ओवर पूरा नहीं कर सके क्योंकि सलमान अली आगा ने आखिरी गेंद फेंकी।

केकेआर ने रोका गुजरात टाइटंस का विजय रथ, हाईस्कोरिंग मैच में 29 रनों से रौंदा

कोलकाता, 16 मई। केकेआर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 29 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है जबकि गुजरात टाइटंस के प्लेऑफ में पहुंचने के इंतजार को लंबा कर दिया। गुजरात के लिए कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन ने अच्छी बैटिंग करते हुए टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया, लेकिन ये सभी इसमें सफल नहीं हो पाए। गुजरात को लगातार 5 जीत के बाद इस सीजन में हार मिली।

आईपीएल 2026 के 60वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना गुजरात टाइटंस के साथ इडेन गार्डन स्टेडियम, कोलकाता में हुआ। इस मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। केकेआर ने पहले बैटिंग करते हुए फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 2 विकेट पर 247 रन बनाए और गुजरात को जीत के लिए 248 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 218 रन बनाए।

फिन एलन, रघुवंशी, कैमरन ग्रीन के अर्धशतक : कप्तान अजिंक्य रहाणे 14 रन पर आउट हो गए जबकि फिन एलन ने 21 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया, लेकिन शतक से चूक गए और 35 गेंदों पर 93 रन की पारी खेलकर आउट हुए। अंगकृष रघुवंशी ने इस मैच में 33 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 82 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि कैमरन ग्रीन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 52 रन पर नाबाद पवेलियन लौटे। ठाीन और रघुवंशी के बीच तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों पर 108 रन की नाबाद शतकीय साझेदारी भी हुई। गुजरात के लिए सिराज और साई किशोर ने एक-एक विकेट लिए।

शुभमन गिल, साई सुदर्शन व जोस बटलर के अर्धशतक : साई सुदर्शन 23 रन पर रिटायर हर्ट हो गए और फिर बैटिंग करने आए और 57 रन बनाकर नाबाद रहे साथ ही उन्होंने अपना अर्धशतक 27 गेंदों पर पूरा किया। जबकि निशांत सिंधू एक रन पर ही निपट गए। कप्तान शुभमन गिल ने 33 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और टीम के लिए अहम 85 रन की पारी खेली। जोस बटलर ने भी अपना अर्धशतक 32 गेंदों पर पूरा किया और 57 रन बनाकर आउट हुए। केकेआर ने सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

जिनसे भारतीय टीम ने नहीं ली थी ट्रॉफी, वही मोहसिन नकवी अब अहमदाबाद में देखेंगे आईपीएल फाइनल?

नई दिल्ली, 16 मई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अहमदाबाद में होने वाली आगामी त्रैमासिक बैठकों ने इस बात को लेकर अटकलों को फिर से हवा दे दी है कि क्या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे, क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। आईसीसी की 21 मई को मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) की वर्चुअल बैठक होनी है, जिसके बाद 30 और 31 मई को अहमदाबाद में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल सप्ताहांत के दौरान बोर्ड की आमने-सामने की बैठकें होंगी। ये बैठकें मूल रूप से कतर के दोहा में होनी थीं, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण इन्हें भारत में स्थानांतरित कर दिया गया।

पाकिस्तान के गृह मंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नक़वी को कथित तौर पर आईसीसी बोर्ड की बैठकों और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2026 के फाइनल में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह निमंत्रण पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यालय को भेज दिया गया है, जो इस बारे में अंतिम निर्णय लेंगे कि नक़वी भारत की यात्रा कर सकते हैं या नहीं। हाल के महीनों में पीसीबी और बीसीसीआई के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों के कारण उनकी संभावित यात्रा को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

दुबई में हुए एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद मामला और भी गंभीर हो गया, जहां जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद नाक़वी द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान के बाद भारतीय टीम ने कथित तौर पर उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इस घटना के कारण ट्रॉफी वितरण समारोह के दौरान असहज स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके बाद पीसीबी के निर्देशों पर ट्रॉफी दुबई में ही रह गई। तब से दोनों बोर्डों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं, और नक़वी अक्सर सार्वजनिक बयानों में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तुलना आईपीएल से करते हैं, जिससे तनाव और बढ़ जाता है।

अहमदाबाद में होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठकों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें शासन सुधार, समय-निर्धारण और राजस्व-साझाकरण मॉडल शामिल हैं। यदि नक़वी की उपस्थिति को मंजूरी मिल जाती है, तो यह भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट संस्थानों के बीच एक दुर्लभ राजनयिक क्षण बन सकता है।

डब्ल्यूपीएल की सफलता को सराहा

भरे स्टेडियम बताते हैं महिला क्रिकेट का नया दौर : कोहली

नई दिल्ली, 16 मई। विराट कोहली का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने भारत में महिला क्रिकेट का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया है। उनका कहना है कि खिलाड़ियों के बढ़ते स्तर और स्टेडियमों में खचाखच भरे स्टेडियम यह दर्शाते हैं कि क्रिकेट प्रशंसकों से कितनी गहराई से जुड़ गया है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बोलते हुए, इस अनुभवी बल्लेबाज ने महिला क्रिकेट की इस स्पष्ट प्रगति पर प्रकाश डाला और डब्ल्यूपीएल को युवा भारतीय प्रतिभाओं के विकास में तेजी लाने का श्रेय दिया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि डब्ल्यूपीएल के कारण युवा खिलाड़ियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उच्च दबाव वाले मुकाबलों में नियमित रूप से खेलने का मौका मिल रहा है।

कोहली ने कहा कि मैंने पहले भी डब्ल्यूपीएल देखा है। लेकिन इस बार, दर्शकों की उपस्थिति देखिए। एक क्रिकेटर होने के नाते मैं कह सकता हूं कि मुझे फर्क साफ दिख रहा है। लेकिन जब जनता को यह फर्क दिखने लगता है, तब आपको पता चलता है कि क्रिकेट वाकई एक अलग स्तर पर बदल गया है। टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों के ज़बरदस्त समर्थन का ज़िक्र करते हुए कोहली ने कहा कि जब बड़ौदा में मैच हुए, तो स्टेडियम खचाखच भरे थे। नवी मुंबई को ही देख लीजिए। मतलब, पूरी तरह से भरे हुए थे। मुझे लगा, वाह, ये तो कमाल है। जब बेंगलुरु में मैच हुए, तो ज़बरदस्त भीड़ उमड़ी। कोहली ने कहा कि प्रशंसकों की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत में महिला क्रिकेट एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां दर्शक अब न केवल जिज्ञासावश, बल्कि प्रतियोगिता की गुणवत्ता और रोमांच के कारण भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने युवा भारतीय खिलाड़ियों के कौशल स्तर में तेज़ी से हो रहे विकास, विशेष रूप से उनके निडर रवैये और पावर-हिटिंग क्षमता की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। ये युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, आप जानते हैं, वे तेज हैं। वे अधिक विस्फोटक हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले हम दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार : सलीमा टेटे

नई दिल्ली, 16 मई । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में कड़ी मेहनत कर रही है और किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्जेंटीना दौरे के बाद टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत करने में जुटी हुई है।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में सलीमा टेटे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

सलीमा ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है, इसलिए मुकाबले उच्च स्तर के होंगे। हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे। कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है और हम सभी उनकी मेहनत के लिए आभारी हैं।

उन्होंने कहा कि टीम लगातार सुधार कर रही है और युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा नई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमें उनका लगातार समर्थन करना होगा ताकि वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। राष्ट्रीय शिविर में चल रही कड़ी फिटनेस ट्रेनिंग पर बात करते हुए सलीमा ने कहा कि फिटनेस टीम की तैयारियों का सबसे अहम हिस्सा है।

उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहा है। किसी भी टीम को हराने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। जूनियर टीम भी अपनी फिटनेस बनाए रखने पर पूरा ध्यान दे रही है। हमारी फिटनेस बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने में मदद करेगी। हमने विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा खेल दिखाया था, लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है। टीम की वापसी को देखते हुए फिटनेस हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026

घाना का प्रतिनिधित्व करने हेतु जयपुर की 14 वर्षीय छात्रा इनाया अमेरिका रवाना

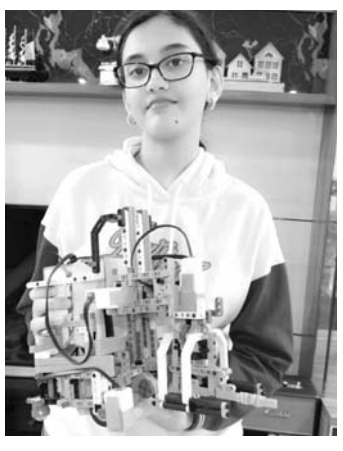

जयपुर, 16 मई। रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के अंतर्गत अमेरिका में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर घाना का प्रतिनिधित्व करने हेतु जयपुर की 14 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्रा इनाया खान को नेतृत्व क्षमता हासिल हुआ है।

यूनाइटेड स्टेट्स एंबेसी, घाना द्वारा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इनाया खान की तस्वीर साझा किया जाना उनकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहचान, असाधारण नेतृत्व क्षमता और तकनीकी उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है। इस विश्व-स्तरीय प्रतियोगिता में घाना रोबोटिक्स अकादमी फाउंडेशन के नेतृत्व में घाना की टीम अमेरिका के मिशिगन स्थित लॉरेंस टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 आयोजित की गई में भाग ले रही है। यह गौरवपूर्ण क्षण है कि यह दल 12-05-2026 को अमेरिका पहुंचकर इस वैश्विक आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज करा चुका है। इनाया खान के अंकल शकील खान ने बताया कि यह उपलब्धि पूरे प्रदेश एवं देश के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर 10 टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए टीम लीडर के रूप में इनाया खान ने एक बार फिर भारत एवं राजस्थान का नाम वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी असाधारण प्रतिभा, मजबूत नेतृत्व क्षमता, नवाचार की सोच और तकनीकी दक्षता उन्हें आज वैश्विक मंच पर बेटियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनाती है।

लिटन दास के शतक से संभला बांग्लादेश

सिलहट, 16 मई । यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन विकेटकीपर बल्लेबाज़ लिटन दास के शानदार शतक की बदौलत बांग्लादेश ने मुश्किल स्थिति से उबरते हुए मजबूत वापसी की। बांग्लादेश की टीम एक समय 116 रन पर 6 विकेट गंवाकर संकट में थी, लेकिन लिटन दास की 159 गेंदों पर 126 रन की तेज़तर्रार पारी ने टीम को 278 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में पाकिस्तान ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 21 रन बना लिए। पाकिस्तान अभी भी 257 रन पीछे है। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद अब्बास तथा खुर्रम शहज़ाद ने शुरुआती परिस्थितियों का बेहतरीन फायदा उठाया।

नील कमल क्लब ने भवानी निकेतन स्कूल को हराया

जयपुर 16 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल सी के मैच में नील कमल क्लब क्लब ने भवानी निकेतन स्कूल को 5 विकेट से हराया।जयपुरिया ग्राउंड पर भवानी निकेतन स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए करण प्रसाद के 22 रन, केतन सिंह के 17 रन, दिलीप सिंह के 50 रन, इशांत तिवारी के 23 रन, सुमित सैनी के 20 रन से 44.1 ओवर में 178 रन बनाए। नील कमल क्लब के लिए रचित गुप्ता ने 39 पर 4, पृथ्वी कुमावत ने 24 पर 4, व गौरव वर्मा ने 22 पर एक विकेट लिया।जवाबी पारी में नील कमल क्लब ने पुलकित के 24 रन, आदित्य के 32 रन,आफताब के 41 रन व आरव माथुर के 55 रन नाबाद से 33 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर मैच जीत लिया। भवानी निकेतन के लिए सार्थ चौधरी ने 45 पर 2, सुमित सैनी व लक्ष्य सिंह ने एक - एक विकेट लिया।

नरेन ने रच दिया इतिहास, आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी बने

कोलकाता, 16 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर सुनील नरेन ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में उतरने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं।

उन्होंने ईडन गार्डन्स में आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में इस मुकाम तक पहुंचे। इससे पहले 12 भारतीय खिलाड़ी आईपीएल में 200 से अधिक मैच खेल चुके हैं। सुनील नरेन ने 2012 में आईपीएल में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ डेब्यू किया था। पिछले 14 सीजन के दौरान सुनील नरेन कोलकाता फ्रेंचाइजी के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने गेंदबाजी के साथ-साथ पारी की शुरुआत से लेकर बैटिंग में निचले क्रम तक बल्लेबाजी की है। सुनील नरेन ने 200 मैचों में 203 विकेट लिए हैं।

जयपुर जिला तैराकी संघ के गजानन्द शर्मा अध्यक्ष, राजवीर सचिव बने

जयपुर, 16 मई। पूर्व आईएएस अधिकारी गजानन्द शर्मा को शनिवार को यहां जयपुर जिला तैराकी संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। जिला संघ की साधारण सभा की बैठक में अगले चार वर्ष के लिए हुए कार्यकारिणी के चुनाव में राजवीर सिंह को सचिव और अशोक अलग को कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजस्थान तैराकी संघ की ओर से अध्यक्ष अनिल व्यास, जिला क्रीड़ा परिषद की ओर से राजेश टेलर और जिला ओलंपिक संघ की ओर से गिर्राज खंडेलवाल पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। चुनाव प्रक्रिया में जयपुर जिला तैराकी संघ से संबद्ध 11 क्लबों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

अध्यक्ष पद संभालने के बाद गजानन्द शर्मा ने कहा कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और प्रतियोगिताओं के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के साथ जयपुर जिले में तैराकी गतिविधियों को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। शर्मा ने सभी क्लब प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से जयपुर में तैराकी खेल को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर उन्होंने बताया कि राज्य संघ की ओर से जयपुर जिले को राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 3 जून तक सवाई मानसिंह स्टेडियम तरणताल पर किया जाएगा।

एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल

जयपुर की दिव्यांशी और धैर्य टीम में, सुरभि मिश्रा होंगी कोच

जयपुर 16 मई। राजस्थान की दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया 33वीं एशियन जूनियर चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 20 से 24 मई तक चीन के पेंझीहुआ में आयोजित की जाएगी। जयपुर की ही पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा को भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है।

सुरभि मिश्रा ने शनिवार को यहां बताया कि एशियन जूनियर चैंपियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। टूर्नामेंट में अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया का विगत दिनों चेन्नई में आयोजित ट्रायल के आधार पर भारतीय टीम में चयन किया गया है। दिव्यांशी को टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता दी गई है।

सुरभि मिश्रा ने बताया कि कोरिया में आयोजित पिछली एशियन जूनियर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य सहित कुल सात पदक जीते थे। उन्होंने बताया कि पिछले साल अंडर-17 वर्ग का खिताब जीतने वाले भारत के आर्यवीर दीवान इस बार अंडर-19 वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगे। उन्हें तीसरी वरीयता दी गई है। इसके अलावा बॉयज अंडर-13 में अभ्युदय अरोड़ा और अमार्या बजाज को 3/4 वरीयता मिली है, जबकि अंडर-15 में श्रेष्ठ अय्यर को दूसरी वरीयता दी गई है। गर्ल्स में दिव्यांशी जैन को अंडर-13 में दूसरी तथा शनाया परसरामपुरिया, आद्या बुधिया और अनिका दुबे को अपने-अपने वर्गों में 3/4 वरीयता दी गई है।

प्रदेश के खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर के दोनों खिलाड़ियों दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया को टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। खेलमंत्री शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी में पहुंचे और दोनों खिलाड़ियों के साथ खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान भारतीय टीम की कोच सुरभि मिश्रा भी मौजूद थीं।

भारतीय दल इस प्रकार है

बालक वर्ग : अंडर-13- अभ्युदय अरोड़ा, अमार्या बजाज, धैर्य गोगिया, एरॉन अराम्भन, अंडर-15- ध्रुव बोपाना, श्रेष्ठ अय्यर, ध्रुव जोहरी, वेदांत अग्रवाल, अंडर-17- लोकेश सुब्रमणि, हृदान शाह, राघव वशिष्ठ, शिवेन अग्रवाल, अंडर-19- गुरवीर सिंह, आर्यवीर देवान, युशा नफीस, पुरव राम्भिया।

बालिका वर्ग : अंडर-13- दिव्यांशी जैन, शनाया परसरामपुरिया, रिया दलाल, आलिया कांकारिया, अंडर-15- आद्या बुधिया, गौशिका एम, वसुंधरा नांगरे, दीवा परसरामपुरिया, अंडर-17- सान्वी कलंकी, अनिका दुबे, दीवा शाह, रियांसिका वर्मा, अंडर-19- उन्नित त्रिपाठी, ईशा श्रीवास्तव, आकांक्षा गुप्ता, व्योमिका खंडेलवाल। सपोर्ट स्टाफ- मेखला श्रीवास्तव, अविनाश भावनानी और सात्विक जोशी।

एसएमएस स्टेडियम में शुरू हुई फर्स्ट जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026

जयपुर, 16 मई। टेबल टेनिस हॉल, एसएमएस स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय फर्स्ट जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 का शुभारंभ शनिवार से हुआ। प्रतियोगिता 16 एवं 17 मई तक आयोजित की जाएगी। पहले दिन विभिन्न वर्गों के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल और फाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल में भावित बिष्ट ने सौरभ कपूर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में हर्षवर्धन सिंह ने अरिंजय कुच्छल को पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

महिला वर्ग में समृद्धि व्यास ने नंदिनी नागौरी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में समायरा शर्मा ने अनुष्का आचार्य को मात देकर फाइनल का टिकट हासिल किया। अंडर-19 बॉयज वर्ग में भावित बिष्ट ने प्रखर बग्गा को तथा हर्षवर्धन सिंह ने तुषार रामचंदानी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में समृद्धि व्यास ने ईशान्या शर्मा को हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में आदिश्री ने आरना साहनी को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। अंडर-17 बॉयज वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में हर्षवर्धन ने आरव साहनी, युवान ने समृद्ध बागड़ा, नैतिकवीर ने प्रखर बग्गा तथा तुषार रामचंदानी ने खुश शुक्ला को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंडर-17 गर्ल्स वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में डिंपी शर्मा ने ख्याति, मांगीलाल ने ईशान्या शर्मा, आरना साहनी ने प्रत्यूषा शर्मा तथा समृद्धि व्यास ने आदिश्री को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-9, अंडर-11 एवं अंडर-13 वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'', अभियान से सामाजिक परिवर्तन आया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ईवी बस में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम के लिए ठिकरिया गाँव पहुँचे

जयपुर, 16 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान, मजदूर, महिला और युवाओं के सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहे हैं। इनके सशक्त बनने से देश और प्रदेश विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने माता-बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्राम चौपाल में कहा कि अनावश्यक ईंधन खर्च से बचना चाहिए साझा वाहन उपयोग की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि ईंधन की बचत आर्थिक बचत से जुड़ी हुई है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए।

महत्वपूर्ण योजनाएं भी चलाई हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ-बेटी पढाओ' अभियान से लिंगानुपात में सुधार के साथ ही सामाजिक परिवर्तन आया। घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा मिली। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस सिलेंडर तथा हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य किया। जन-धन योजना के माध्यम से बैंक खाते खुलवाकर योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बस से पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न विभागों एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यात्रा की।

उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचत के आव्हान पर ग्राम-2026 के आयोजन को फिलहाल के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक ईंधन खर्च से बचना चाहिए और साझा वाहन उपयोग की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि ईंधन की बचत आर्थिक बचत से भी जुडी हुई है।

उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसके तहत हुए एमओयू धरातल पर तेजी से उतर रहे हैं, तथा युवाओं को रोजगार मिल रहा है। साथ ही, स्वरोजगार के लिए हम युवाओं को ऋण उपलब्ध करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री से राजीविका की लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किये। इंद्रा शर्मा ने कहा कि राजीविका की मदद से हम घर और गांव से बाहर निकलकर आर्थिक रूप से सक्षम बनी हैं। हमारे समूहों की महिलाएं सैनेटरी नैपकिन, बगरू प्रिंट, अन्नपूर्णा रसोई और बर्तन बैंक क्षेत्र में काम कर रही हैं। मेरी सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक है, जिससे मैं अब मिलेनियर दीदी बन गई हूं। कोमल शर्मा ने कहा कि मैं वेस्ट सामग्री को रिसाइकिल कर पेपर बनाने का कार्य करती हूं। हमारे गांव में 13 एसएचजी हैं। राजीविका की मदद से हम पेपर प्रोडक्ट बनाने का कार्य कर पा रहे हैं। हम सालाना 10 से 12 लाख रुपये का व्यापार कर रहे हैं, जिसमें से 5-6 लाख रुपये की बचत हमें हो रही है। ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा सहित, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

केन्द्र सरकार ने एनटीए में नए अधिकारी लगाये

नई दिल्ली, 16 मई। नीट पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर बढ़ ते विवाद के बीच केन्द्र

- **नीट पेपर लीक पर सरकार का एक्शन।**

सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में बड़ी प्रशासनिक नियुक्तियां की हैं। एनटीए में चार बड़े अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

सरकार ने एजेंसी में दो नए संयुक्त सचिव और दो संयुक्त निदेशक नियुक्त किए हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) की 1998 बैच की अधिकारी अनुजा बापट और भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स और इनडायरेक्ट टैक्स) की 2004 बैच की अधिकारी रुचिता विज को एनटीए में संयुक्त सचिव नियुक्त किया , गया है।

दोनों की नियुक्ति पांच साल के लिए की गई है। इसके अलावा, भारतीय राजस्व सेवा (इनकम टैक्स) के अधिकारी आकाश जैन और भारतीय ऑडिट एवं अकाउंट्स सेवा के अधिकारी आदित्य राजेन्द्र भोजगढि या को संयुक्त निदेशक बनाया गया है।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 तैयार किया

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया

- **अखबार ने कहा कि अमेरिका व इज़रायल ईरान के खिलाफ नए सिरे से भीषण हमले करने की तैयारी में जुटे हैं।**

वॉशिंगटन, 16 मई। अमेरिकी सेना कथित तौर पर एक बार फिर ईरान पर हमलों की योजना बना रही है। ईरान के साथ शांति वार्ता के किसी नतीजे पर न पहुंचने के बाद अमेरिका को लग रहा है कि सैन्य हमले ही तेहरान पर दबाव बना सकते हैं। अमेरिका और इज़रायल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई। 8 अप्रैल को अस्थायी सीज़फायर के बाद दोनों पक्षों की बातचीत के जरिए समझौते पर पहुंचने की कोशिश अभी तक नाकाम रही है। इससे फिर लड़ाई शुरू होने की आशंका ने जोर पकड़ा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले फिर से शुरू करने के लिए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना तैयार की है। सैन्य समाधान का यह प्लान तब बना है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन का अपना दो दिवसीय दौरा पूरा कर लिया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि पेंटागन आने वाले दिनों में ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना बना रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह कांग्रेस के समक्ष गवाही देते हुए सांसदों से कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो हमारे पास स्थिति को आगे बढ़ाने, यानी हमले तेज करने की योजना मौजूद है।

पश्चिम एशिया के दो अधिकारियों ने अखबार को बताया कि अमेरिका और इज़रायल के अधिकारी ईरान के खिलाफ हमलों को अगले सप्ताह फिर से शुरू करने की गहन तैयारियों में जुटे हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप फिर हमले शुरू करने का फैसला करते हैं तो ईरान के बुनियादी ढ ांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका की योजना मेंतीन विकल्प हैं। इसमें पहला ईरान के सैन्य और बुनियादे ढ ांचे पर हवाई हमलों का है। दूसरा विकल्प यह है कि ईरान की जमीन पर विशेष अभियान के लिए सेना उतारी जाए, ताकि वे जमीन के काफी नीचे गहराई में दबे हुए परमाणु सामग्री के भंडारों को खत्म कर सकें। प्लान का तीसरा विकल्प यह है कि अमेरिकी सेना खर्ग द्वीप पर कब्जा करे। खर्ग ईरानी तेल निर्यात का एक बड़ा केंद्र है। इसमें मुश्किल यह है कि खर्ग पर कब्जा बनाए रखने के लिए काफी ज्यादा सैनिकों की जरूरत पड़ेगी। ईरान को यहां की परिस्थिति से मिलने वाला फायदा अमेरिका की मुश्किल बढ़ाएगा।

नीदरलैंड चोल ताम्रपट्टिकाएं भारत को लौटाएगा

ये पट्टिकाएं 300 वर्षों से नीदरलैंड के लीडन विश्वविद्यालय में रखी हुई हैं

- **विश्वविद्यालय ने ऐलान किया कि प्र.मंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह में इन पट्टिकाओं को प्रस्तुत किया जाएगा और बाद में किसी अन्य अवसर पर भारत को लौटा दिया जाएगा।**

नई दिल्ली, 16 मई । नीदरलैंड के लीडेन विश्वविद्यालय ने करीब 300 वर्षों से अधिक समय से अपने पास सुरक्षित रखी गईं 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोल ताम्रपट्टिकाओं को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में भारत को लौटाने का ऐलान किया।

विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित लेख में कहा कि शनिवार को हेग में प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित औपचारिक समारोह में इन चोल ताम्रपट्टिकाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद किसी अन्य अवसर पर इन्हें आधिकारिक रूप से भारत को हस्तांतरित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने अपने लेख में कहा कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने चोल ताम्रपट्टिकाओं को भारत लौटाने का निर्णय लिया है। यह फैसला नीदरलैंड की राष्ट्रीय 'औपनिवेशिक संग्रह समिति' की सिफारिश के बाद लिया गया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि ये ऐतिहासिक वस्तुएं औपनिवेशिक काल के दौरान दक्षिण भारत से, बिना वास्तविक अधिकारधारकों की सहमति के, बाहर ले जाई गई थीं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, भारत सरकार ने वर्ष 2023 की गर्मियों में चोल ताम्रपट्टिकाओं को वापस करने का अनुरोध किया था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने स्वतंत्र विशेषज्ञों से इनकी उत्पत्ति और स्वामित्व संबंधी जांच कराई। साथ ही मामले को औपनिवेशिक संग्रह समिति के पास भेजा गया, जिसने अतिरिक्त अध्ययन और पूर्व शोधों की समीक्षा के बाद इन्हें भारत लौटाने की सिफारिश की।

लेख में कहा गया कि चोल ताम्रपट्टिकाएं भारत से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेख हैं। इन तांबे की पट्टिकाओं में नागपट्टिनम स्थित एक बौद्ध विहार और उससे जुड़े मठों को गांवों के राजस्व और भूमि अधिकार देने संबंधी समझौते दर्ज हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, अभिलेख संख्या ओआर.1687 वाली एक वस्तु में 21 तांबे की प्लेटें हैं, जो एक कांस्य वलय से जुड़ी हुई हैं। इस वलय पर 11वीं सदी में शासन करने वाले राजेन्द्र चोल प्रथम की मुहर लगी हुई है। इनमें पांच प्लेटों पर संस्कृत और 16 प्लेटों पर तमिल भाषा में अभिलेख अंकित हैं। दूसरी वस्तु ओआर.1688 में तीन तांबे की प्लेटें हैं, जो एक अन्य कांस्य वलय से जुड़ी हैं, जिस पर कुलोत्तुंग चोल प्रथम की मुहर अंकित है। इन पर तमिल भाषा में लेख दर्ज हैं। विश्वविद्यालय ने कहा कि ये चोल ताम्रपट्टिकाएं 1862 से उसके पास सुरक्षित हैं और दक्षिण भारत में शाही चार्टर का महत्वपूर्ण स्रोत मानी जाती हैं। ये चोल और श्रीविजय साम्राज्यों के बीच संबंधों पर भी ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करती हैं। इन प्लेटों का कुल वजन लगभग 30 किलोग्राम है। इन्हें विश्वविद्यालय पुस्तकालय में शोध और शिक्षण कार्यों के लिए उपलब्ध कराया जाता रहा है तथा प्रदर्शनियों में भी प्रदर्शित किया गया।

'भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे'

- **ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह भी कहा वह इस कानूनी लड़ाई में पूर्ण सहयोग देगा।**
- **बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले में एतिहासिक दस्तावेजों की अनदेखी की गई है।**

नई दिल्ली, 16 मई। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भोजशाला की कमाल मौला मस्जिद के विवाद पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के हालिया फैसले की कड़ी निंदा की। बोर्ड ने घोषणा की है कि कमाल मौला मस्जिद कमेटी इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस कानूनी लड़ाई में उसका हर संभव सहयोग करेगा।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलियास ने अपने बयान में कहा कि मप्र उच्च न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक साक्ष्यों, राजस्व अभिलेखों, औपनिवेशिक काल के सरकारी दस्तावेजों, गजेटियरों और मस्जिद में सदियों से जारी मुस्लिम इबादत की अनदेखी करते हुए दिया गया। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूजा स्थलों की सुरक्षा से संबंधित कानून 1991 की भावना और संवैधानिक मूल्यों के भी प्रत्यक्ष रूप से विरुद्ध है। उल्लेखनीय है कि फैसले में भोजशाला की कमाल मौला मस्जिद परिसर को सरस्वती मंदिर घोषित किया गया है और ऐतिहासिक तथ्यों, सरकारी अभिलेखों, पुरातात्विक साक्ष्यों एवं स्वयं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएलआई) को पूर्व रुख के खिलाफ बताते हुए सख्ती से खारिज कर दिया है।

डॉ. इलियास ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का पूर्व रुख स्वयं इस स्थल की साझा धार्मिक प्रकृति को स्वीकार करता रहा है। कई दशकों तक एएसआई के आधिकारिक रिकॉर्ड और साइनबोर्ड्स में इस स्थान को भोजशाला/कमाल मौला मस्जिद के नाम से दर्ज किया जाता रहा, जो इसके विवादित और साझा धार्मिक स्वरूप की सरकारी मान्यता थी। इसके अतिरिक्त वर्ष 2003 की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार के दिन पूजा की अनुमति दी गई थी जबकि मुसलमानों को शुक्रवार की नमाज अदा करने की अनुमति थी। यह व्यवस्था स्वयं इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि एएसआई दोनों समुदायों के ऐतिहासिक दावों और इबादत के अधिकारों को मान्यता देता था। इसके बावजूद, हाई कोर्ट द्वारा इस व्यवस्था को समाप्त करना एएसआई के पूर्व रुख से हटना है। ?

उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत के समक्ष स्पष्ट रूप से यह दलील दी थी कि ऐतिहासिक राजस्व अभिलेखों में इस इमारत को लगातार मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि ऐसा कोई निर्विवाद ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद नहीं है जो यह सिद्ध करे कि इसी स्थान पर राजा भोज के काल का सरस्वती मंदिर स्थित था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालत ने इन प्रामाणिक ऐतिहासिक और सरकारी अभिलेखों को उचित महत्व नहीं दिया।

कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों के लिये अब तीन भाषा व्यवस्था

नई दिल्ली, 16 मई। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 9-10 के लिए तीन भाषा व्यवस्था लागू कर दी है। इनमें से दो भाषाएं अनिवार्य तौर पर भारतीय होना आवश्यक है। नई व्यवस्था इसी साल एक जुलाई से लागू होगी।

सीबीएसई की ओर से 15 मई को जारी एक परिपत्र का यह निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप है। यह बदलाव 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए नवीनतम एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की समीक्षा के बाद किया गया है।

बोर्ड के अनुसार, विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़ नी होंगी। इनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना आवश्यक है। हालांकि कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि तीसरी भाषा का मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर और आंतरिक रूप से किया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रदर्शन का उल्लेख सीबीएसई प्रमाणपत्र में किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने बेटे को पुलिस के सुपुर्द किया

- **तेलंगाना पुलिस का कहना है कि मंत्री पुत्र भगीरथ, जो पॉक्सो में आरोपी है, को गिरफ्तार किया गया है यह सरेंडर नहीं था।**

हैदराबाद, 16 मई। केंद्रीय मंत्री बंडीसंजय कुमार ने बेटे भगीरथ को पुलिस के हवाले कर दिया है। उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा कि उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है और उनकी लीगल टीम का कहना है कि उनके बेटे को जमानत मिल जाएगी। वहीं, तेलंगाना पुलिस का कहना है कि पॉक्सो एक्ट मामले में आरोपी भगीरथ को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने भगीरथ को देश छोड़कर भागने से रोकने के लिए उनके खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था।

अपने बेटे भगीरथ के पॉक्सो केस पर केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा,"आज मैंने अपने बेटे बंदी भगीरथ को जांच के लिए एक वकील के जरिए पुलिस को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक उन्हें नारसिंगी पुलिस एकेडमी की पास से अरेस्ट किया गया। तेलंगाना केसाइबराबाद पुलिस कमिश्नर रमेश ने कहा, "पेटबशीराबाद पॉक्सो केस के आरोपी बंडी भगीरथ को हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है। यह सरेंडर नहीं था।"

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस मामले में भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके एक दिन बाद बंडी संजय कुमार ने बयान में कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद बेटे से पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कहा था।

पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ आठ मई को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत 17 वर्षीय लड़की की मां ने दर्ज कराई थी।

'दुखी हूँ, मीडिया के एक वर्ग ने मेरी बात को गलत तरीके से रखा'

सीजेआई सूर्यकांत ने युवाओं को कॉक्रोच बताने वाली अपनी टिप्पणी पर उठे विरोध को शांत करने की कोशिश की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। ऐसा लगता है कि अपनी छवि को सुधारने के प्रयास में, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को मीडिया के एक हिस्से पर शुक्रवार की उनकी कॉक्रोच वाली टिप्पणी को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया। इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ था।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक बयान में कहा, मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक हिस्से ने मेरे मौखिक टिप्पणियों को, जो कल एक तुच्छ मामले की सुनवाई के दौरान की गई थीं, गलत तरीके से पेश किया। यह बयान कानूनी समाचार वेबसाइटों में प्रकाशित हुआ।

उन्होंने कहा, "मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी, जिन्होंने नकली और फर्जी डिग्रियों के सहारे बार (कानूनी पेशा) जैसे पेशों में प्रवेश किया। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य नेक पेशों में भी छिपकर प्रवेश कर गए हैं, इसलिए ये कीड़े-मकोड़ों (परजीवी) की तरह हैं।"

शुक्रवार को, जब उन्होंने दिल्ली के कुछ अधिवक्ताओं की संभावित फर्जी कानून डिग्रियों की जांच के लिए सीबीआई को चेतावनी दी तो उनमें से कई ने न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक और घृणास्पद टिप्पणियां पोस्ट की थीं।

सीजेआई ने कहा था, "समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनमें शामिल होना चाहते हैं? कुछ युवा कॉक्रोच की तरह हैं। उन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता और पेशे में उनकी कोई जगह नहीं है।" वे अधिवक्ता और याचिकाकर्ता संजय दुबे को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई ने कहा था, "इनमें से कुछ मीडिया का हिस्सा बन जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया में आ जाते हैं, कुछ आरटीआई एक्टिविस्ट बन जाते हैं और कुछ अन्य एक्टिविस्ट बन जाते हैं। ये सभी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। शनिवार को अपने बयान, जिसमें उन्होंने अपनी छवि को सुधारने का प्रयास किया, में सीजीआई ने कहा, "यह पूरी तरह से आधारहीन है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। न केवल मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। यह अतिशयोक्ति नहीं है कि भारतीय युवा मुझमें बहुत सम्मान और आदर रखते हैं, और मैं भी उन्हें विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूँ।"

- **उन्होंने कहा, एक मामूली से केस की सुनवाई में की गई मौखिक टिप्पणी को गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है, जबकि मैंने तो ''फेक डिग्री' लेकर कानूनी पेशे में घुस आए लोगों पर टिप्पणी की थी। ये लोग मीडिया, सोशल मीडिया पर एक्टिविस्ट बन जाते हैं तो क्या आरटीआई या किसी अन्य क्षेत्र के एक्टिविस्ट बन जाते हैं, सब पर हमला करते हैं।**
- **ज्ञातव्य है कि एक वकील संजय दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा था, बेरोज़गार युवा कॉक्रोच जैसे होता है। इस टिप्पणी का भारी विरोध होने पर सीजेआई ने कहा, मुझे भारत के युवा पर गर्व है, यह मुझे प्रेरित करते हैं और यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत के युवा मेरा बहुत सम्मान करते हैं।**

जून के मध्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और साथ ही, पार्टी नेतृत्व तेलंगाना जैसे राज्यों पर ध्यान केन्द्रित कर सकता है, जो भाजपा के प्रभाव क्षेत्र से बाहर बने हुये हैं। (महिला कोटे से) डी के अरुणा जैसे नाम केन्द्रीय कैबिनेट में शामिल किए जाने के लिए संभावितों के रुप में चर्चा में हैं। ऐसी संभावना है कि हाल ही में भाजपा में शामिल हुए आप नेता राघव चड्ढा को, अगले वर्ष होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, कोई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद दिया जा सकता है। इस बदलाव में उत्तर प्रदेश या बिहार के राज्य नेता या तो सरकार में या पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर शामिल किए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा और गठबंधन सहयोगियों के नए चेहरे, युवा सांसद और जिनका संगठनात्मक/राज्यस्तरीय रिकॉर्ड मजबूत है, उन्हें शामिल किया जाएगा। कुछ रिपोर्टों में महिलाओं को मंत्रियों के रुप में शामिल करने की संभावना भी बताई गई है, ताकि 33 प्रतिशत महिला कोटे के लक्ष्य को बढ़ावा दिया जा सके।

अदालती आदेश की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवमानना याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने फागी उपखंड के पचाला गांव के आम रास्ते पर प्रभावशाली लोगों की ओर से पक्का निर्माण कर अतिक्रमण करने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गत 2 अप्रैल को याचिकाकर्ता को कहा था कि वह इस संबंध में जयपुर कलेक्टर के समक्ष अपना अभ्यावेदन पेश करे और कलेक्टर उसे तीन सप्ताह में तय कर विधि सम्मत कार्रवाई करें। अवमानना याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में याचिकाकर्ता ने गत 8 अप्रैल को समस्त दस्तावेजों के साथ कलेक्टर व स्थानीय अधिकारियों को अभ्यावेदन पेश कर दिया। इसके बावजूद, कलेक्टर की ओर से आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने कलेक्टर को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

भाजपा अपनी विश्वसनीयता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल परिसर में बेरहमी से बलात्कार और हत्या का शिकार बनाया गया था। मामले का विवरण सामने आने के बाद बंगाल में हंगामा मच गया था, व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी थी।

भाजपा के मुख्यमंत्री ने एक भीड़भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीन उच्च अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय घोषित किया। उन्होंने राज्य पुलिस प्रशासन में कुछ बुनियादी सुधारों से संबंधित कई अन्य उपायों की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री अधिकारी ने दोहराया कि राज्य पुलिस के अधिकारियों ने मामले को संभालने में लापरवाही की। अपने कर्तव्यों को अनुशासित अधिकारी की तरह निभाने के बजाय, उन्होंने गैर-पेशेवर तरीके से काम किया। अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पुलिस अधिकारियों ने मृतक के माता-पिता को पैसा देने की पेशकश तक की थी।

'अगर आप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई मुलाकात के बाद हुआ। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लावरोव द्वारा भारत और रूस की विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति के संबंध में दी गई जानकारी की सराहना की।

'पाक तय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देगी, तो सेनाध्यक्ष ने कहा, "अगर आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने कहा था... कि पाकिस्तान, अगर आतंकवादियों को आश्रय देना और भारत के खिलाफ ऑपरेशन करना जारी रखता है, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है, या इतिहास का।" 'सेना संवाद' कार्यक्रम में उनकी ये टिप्पणियाँ ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के कुछ ही दिन बाद आईं। जनरल द्विवेदी की टिप्पणियाँ संक्षिप्त थीं, लेकिन पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश थीं और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराने वाली थीं।

ज्यादा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये देने की योजना पर भी विचार कर रही थी। 5 मार्च को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने बताया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने पर विचार कर रही है। हालांकि बाद में स्वास्थ्य मंत्री सत्या कुमार यादव ने कहा कि सरकार अब तीसरे और उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को भी प्रोत्साहन देने का फैसला कर चुकी है।

'पंजाब में निगम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फेर किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय किसी भी राजनीतिक दल से सलाह-मशविरा किए बिना लिया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908